▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 166 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 10-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 उत्तर प्रदेश रक्षा विनिर्माण का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है : राजनाथ सिंह

6 जांच के घेरे में राजनीति, राजनीति के घेरे में जांच

7 फिजिकल के साथ मेंटल हेल्थ भी जरूरी : अदा शर्मा

फर्स्ट टेक

डीआरडीओ ने 'स्क्रैमजेट' इंजन का लंबी अवधि का जमीनी परीक्षण किया

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने 'स्क्रैमजेट कंबस्टर' का लंबी अवधि का सफल जमीनी परीक्षण करके हाइपरसोनिक मिसाइलों के विकास क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने स्क्रैमजेट-संचालित हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकी पर अद्यतन जानकारी साझा करते हुए कहा कि हैदराबाद स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) ने इस तरह की मिसाइलों के विकास के क्षेत्र में एक ''अभूतपूर्व उपलब्धि'' हासिल की है। इसने एक बयान में कहा कि डीआरडीएल ने 9 जनवरी को अपने अत्याधुनिक 'स्क्रैमजेट कनेक्ट पाइप टेस्ट' (एससीपीटी) प्रतिष्ठान में 'स्क्रैमजेट कंबस्टर' का लंबी अवधि का जमीनी परीक्षण सफलतापूर्वक किया।

रूस ने यूक्रेन के खिलाफ 'ओरेश्निक' बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया

कीव/एपी। रूस ने शुक्रवार को कहा कि उसने यूक्रेन पर भीषण हमले में अन्य हथियारों के साथ नई 'ओरेश्निक' बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि रूसी हमले में राजधानी कीव में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। रूस ने यह नहीं बताया कि 'ओरेश्निक' ने कहां हमला किया। लेकिन रूसी मीडिया और सैन्य ब्लॉगरों ने कहा कि इसने यूक्रेन के पश्चिमी ल्वीव क्षेत्र में एक विशाल भूमिगत प्राकृतिक गैस भंडारण को निशाना बनाया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह हमला पिछले महीने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास पर कथित तौर पर यूक्रेन द्वारा किए गए ड्रोन हमले के जवाब में किया गया।

एजेंसियों की मदद करना ट्रंप की 'वैधानिक जिम्मेदारी': संयुक्त राष्ट्र

न्यूयॉर्क/एपी। संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि विश्व निकाय द्वारा संचालित 30 से अधिक पहलों से समर्थन वापस लेने की व्हाइट हाउस की घोषणा के बाद भी अमेरिका की यह वैधानिक जिम्मेदारी है कि वह संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों को वह धन दे जिसका वादा किया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने कहा कि उन्हें विश्व निकाय से संबंधित 31 एजेंसियों से अमेरिका को बाहर निकालने संबंधी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले पर खेद है। दरअसल ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र के कई निकायों और भारत-फ्रांस नीत अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) समेत 60 से अधिक अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अमेरिका को बाहर निकालने का फैसला किया है।

10-01-2026 सूर्यास्त 5:58 बजे | 11-01-2026 सूर्योदय 6:34 बजे

BSE	NSE
83,576.24 (-604.72)	25,683.30 (-193.55)

सोना	चांदी
14,344 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	268,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आफ़तकाल का जाल

यह चुनाव का वर्ष बन रहा,
सभी दलों का आफतकाल।
है विपक्ष आपातकाल में,
कोस रहे हो कर बेहाल।
येनकेन कैसे भी हो बस,
गल जाए मतलब की दाल।
फँस जाए वोटर मछली सा,
फैंक रहे बातों के जाल।।

शाह ने एनएसजी के राष्ट्रीय आईईडी डेटा मंच की शुरुआत की

आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा कवच के रूप में कार्य करेगा एनआईडीएमएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को एक राष्ट्रीय डिजिटल आईईडी डेटा प्रबंधन मंच की शुरुआत की, जो ''आतंकवाद के खिलाफ अगली पीढ़ी के सुरक्षा कवच'' के रूप में कार्य करेगा और देश में होने वाले सभी प्रकार के बम विस्फोटों के खिलाफ एक व्यापक प्रतिरोधक होगा।

राष्ट्रीय आईईडी डेटा प्रबंधन प्रणाली (एनआईडीएमएस) को संघीय आतंकवाद-रोधी कमांडो बल राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) द्वारा गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-दिल्ली, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) की मदद से विकसित किया गया है।

यह सभी प्रकार के बम विस्फोटों का ''सटीक'' अध्ययन करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग उपकरणों से लैस है।

देश में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोटों को आंतरिक सुरक्षा क्षेत्र में ''सबसे चुनौतीपूर्ण'' खतरों में से एक के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इन वर्षों में आईईडी विस्फोट में हजारों नागरिक और सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये एक लिंक के माध्यम से इस मंच का उद्घाटन किया। यह केंद्र मानेसर स्थित राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) छावनी में स्थित है।

मंत्री ने कहा कि एनआईडीएमएस आतंकवादी घटनाओं के खिलाफ एक ''ढाल'' और ''राष्ट्रीय संपत्ति'' के रूप में काम करेगा क्योंकि यह पुलिस, विभिन्न जांच एजेंसियों, राज्य आतंकवाद-रोधी दस्तों, एनआईए जैसी संघीय एजेंसियों तथा केंद्रीय बलों को विभिन्न प्रकार के बम विस्फोटों के तौर-तरीके और कार्यप्रणाली का विश्लेषण करने के लिए ''व्यापक'' डेटा प्रदान करेगा।

नदी जल को लेकर आंध्र और तेलंगाना के बीच विवाद की जरूरत नहीं : नायडू

रायवरम (आंध्र प्रदेश)/भाषा। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि समुद्र में व्यर्थ बह जाने वाले नदी जल को लेकर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच विवाद की कोई आवश्यकता नहीं है। पूर्वी गोदावरी जिले में एक ग्रामीण बैठक को संबोधित करते हुए नायडू ने आरोप लगाया कि कुछ लोग जल उपयोग पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय जानबूझकर विवाद पैदा कर रहे हैं। किसानों को नये 'पट्टादार पासबुक' (भूमि दस्तावेज) वितरित करते हुए उन्होंने कहा, समुद्र में बेकार बह जाने वाले पानी को लेकर दोनों राज्यों के बीच विवाद की क्या जरूरत है? कुछ लोगों को पानी नहीं, बल्कि विवाद चाहिए। किसी का नाम लिए बिना नायडू ने वाईएसआरसीपी प्रमुख जगन मोहन रेड्डी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि रायलसीमा लिफ्ट सिंचाई परियोजना के नाम पर विवाद भड़काने की कोशिश की जा रही है। इस परियोजना का उद्देश्य कृष्णा नदी पर स्थित श्रीशैलम जलाशय के जल का उपयोग कर सूखाग्रस्त रायलसीमा क्षेत्र में सिंचाई और पानी की उपलब्धता में सुधार करना है।

ऊंट महोत्सव

राजस्थान के बीकानेर में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय ऊंट महोत्सव के पहले दिन पारंपरिक वेशभूषा और आकर्षक सिरपोश में सजे लोक कलाकार तस्वीर के लिए पोज़ देते हुए।

शक्सगाम घाटी भारतीय क्षेत्र है : भारत

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने शुक्रवार को शक्सगाम घाटी में चीन की अवसंरचना विकास परियोजनाओं की आलोचना की और कहा कि चूंकि यह भारतीय क्षेत्र है, इसलिए वह अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक उपाय करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

पाकिस्तान ने 1963 में अवैध रूप से शक्सगाम घाटी स्थित 5,180 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र को चीन को सौंप दिया था, जो उन क्षेत्रों का हिस्सा था जिन पर पाकिस्तान ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''शक्सगाम घाटी भारतीय क्षेत्र है। हमने 1963 में हस्ताक्षरित तथाकथित चीन-पाकिस्तान 'सीमा समझौते' को कभी मान्यता नहीं दी है। हम लगातार यह कहते आए हैं कि यह समझौता अवैध और अमान्य है।'' उन्होंने अपनी साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, ''हम तथाकथित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे को भी मान्यता नहीं देते हैं, जो भारतीय क्षेत्र से होकर गुजरता है, जिस पर पाकिस्तान का जबरन और अवैध कब्जा है।''

हिमाचल के सिरमौर में बस के खाई में गिरने से 14 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नाहन/भाषा। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में शुक्रवार दोपहर एक निजी बस के 500 फुट गहरी खाई में गिरने से 14 लोगों की मौत हो गई और लगभग 52 अन्य यात्री घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई, जब शिमला से राजगढ़ होते हुए कुपवी जा रही बस हरिपुरधार गांव के पास सड़क से फिसलकर खाई में जा गिरी और पलट गई।

बस में 39 लोगों के बैठने की व्यवस्था थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने घटना के प्रति शोक व्यक्त किया और कहा, मैं इस दुर्घटना में अपने प्रियजनों को खोने वाले शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं घायल व्यक्तियों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में बस दुर्घटना में हुई जानमाल की हानि अत्यंत दुखद है। अपनों को खोने वाले सभी लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। उन्होंने कहा कि घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना है। मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष की ओर से मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

स्कूल छोड़ने वालों की संख्या को कम करना सामूहिक जिम्मेदारी : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्कूलों को समाज में जीवंत संस्थाओं के रूप में पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि पढ़ाई में पिछड़ेपन को दुरुस्त करना, विद्यार्थियों के स्कूल छोड़ने की प्रवृत्ति में कमी लाना तथा हर बच्चे में आलोचनात्मक सोच विकसित करना सभी की साझा जिम्मेदारी है।

प्रधान ने यहां केंद्र सरकार की समग्र शिक्षा योजना से जुड़े हितधारकों के साथ आयोजित परामर्श बैठक में ये बातें कहीं। उन्होंने समुदाय की भूमिका पर विस्तार से बात करते हुए कहा कि व्यवस्था और वेतन की जिम्मेदारी सरकार की ही होनी चाहिए, लेकिन स्कूलों के मालिकाना और संचालन में पूरे समाज की सहभागिता आवश्यक है।

प्रधान ने कहा, ''व्यवस्था और वेतन की जिम्मेदारी सरकार की होनी चाहिए, लेकिन स्कूलों के संचालन की जिम्मेदारी समाज की होनी चाहिए। जैसे-जैसे हम समग्र शिक्षा के नये ढांचे की ओर बढ़ रहे हैं, हमें मिलकर यह सोचना होगा कि इसे कैसे संभव बनाया जाए और स्कूलों को समाज से जुड़ी जीवंत संस्थाओं के रूप में फिर से स्थापित किया जाए।'' केंद्रीय मंत्री ने स्कूली शिक्षा के कई पहलुओं में सार्थक बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया, जिनमें शैक्षणिक उपलब्धियों में सुधार, पोषण स्तर को मजबूत करना, परीक्षा का बोझ कम करना, अधिगम प्रक्रियाओं को सरल बनाना, कक्षा 12 तक शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना, स्कूलों का समग्र विकास करना तथा तकनीक और डिजिटलीकरण का प्रभावी उपयोग शामिल है।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 63 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 63 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है तथा उनमें 36 पर 1.19 करोड़ रुपए से अधिक का इनाम घोषित था। पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में जारी नक्सल विरोधी मोर्चे पर सुरक्षाबलों को शुक्रवार को महत्वपूर्ण सफलता मिली जब पूना मारगेम (पुनर्वास से पुनर्जीवन) अभियान से प्रभावित होकर 36 ईनामी समेत 63 माओवादी समाज की मुख्यधारा में शामिल हो गए। उन्होंने बताया कि आज आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में 18 महिलाएं हैं।

अधिकारियों का कहना है कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी माओवादी दक्षिण बस्तर, पश्चिम बस्तर, अबूझमाड़ और उड़ीसा में सक्रिय थे। उनमें 36 माओवादियों पर एक करोड़, 19 लाख, 50 हजार का इनाम घोषित था।

अधिकारियों के अनुसार माओवादियों के आत्मसमर्पण करने के समय केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के उप महानिरीक्षक राकेश चौधरी, दंतेवाड़ा जिले के पुलिस अधीक्षक गौरव राय और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

बांग्लादेश में सांप्रदायिक घटनाओं से सख्ती से निपटना होगा : भारत

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने शुक्रवार को बांग्लादेश से कहा कि वह अपने यहां हो रहीं सांप्रदायिक घटनाओं पर सख्ती से अंकुश लगाए। बांग्लादेश में पिछले कुछ हफ्तों में कम से कम पांच हिंदू पुरुषों की हत्या किए जाने की पृष्ठभूमि में नई दिल्ली की यह टिप्पणी आई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''हम अल्पसंख्यकों के साथ-साथ उनके घरों और व्यवसायों पर चरमपंथियों द्वारा बार-बार किए जा रहे हमलों का चिंताजनक सिलसिला देख रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि इस तरह की सांप्रदायिक घटनाओं से तुरंत और सख्ती से निपटना जरूरी है। जायसवाल ने कहा, ''हमने इस तरह की घटनाओं को व्यक्तिगत दुश्मनी, राजनीतिक मतभेदों या बाहरी कारणों से जोड़ने की एक चिंताजनक प्रवृत्ति देखी है।''

ईरान में हो रहे घटनाक्रमों पर भारत करीबी नजर रखे हुए है : विदेश मंत्रालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि ईरान में मुद्रास्फीति और मुद्रा अवमूल्यन को लेकर विरोध-प्रदर्शनों के बीच, भारत वहां के घटनाक्रमों पर करीबी नजर रखे हुए है। नई दिल्ली ने पांच जनवरी को भारतीय नागरिकों से ईरान की गैर-जरूरी यात्रा से बचने का आग्रह किया था तथा ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों को भी उचित सावधानी बरतने और विरोध-प्रदर्शन या धरने वाले क्षेत्रों की यात्रा टालने की सलाह दी थी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से उनकी साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान ईरान की स्थिति के बारे में सवाल पूछा गया। जायसवाल ने कहा, हम ईरान में हो रहे घटनाक्रमों पर करीबी नजर रख रहे हैं। जैसा कि आपने देखा होगा, हमने एक परामर्श भी जारी किया है। उस देश में हमारे लगभग 10,000 नागरिक और भारतीय मूल के लोग हैं।''

ईरान में विरोध प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 62 हुई : एजेंसी

दुबई/एपी। ईरान में देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 62 हो गई है। समाचार एजेंसी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अमेरिका स्थित 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स' समाचार एजेंसी ने मृतकों की संख्या बताई है। एजेंसी ने बताया कि विरोध प्रदर्शनों के दौरान कम से कम 2,300 गिरफ्तारियां हुई हैं।

जमीन के बदले नौकरी घोटाला:

लालू यादव, अन्य के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख एवं पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, उनके परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों के खिलाफ कथित जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में आरोप तय करने का शुक्रवार को आदेश दिया।

विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि यादव ने रेल मंत्रालय को अपनी निजी जागीर की तरह में इस्तेमाल किया ताकि वह एक आपराधिक गतिविधि को अंजाम दे सकें। उन्होंने कहा कि इसमें सरकारी नौकरी को सौदेबाजी के हथियार के रूप में इस्तेमाल करके यादव परिवार ने रेलवे अधिकारियों और अपने करीबी सहयोगियों की मिलीभगत से जमीन हासिल की।

यादव ने रेल मंत्रालय को अपनी निजी जागीर की तरह में इस्तेमाल किया ताकि वह एक आपराधिक गतिविधि को अंजाम दे सकें।

आदेश के मुख्य हिस्से को मौखिक रूप से सुनाते हुए न्यायाधीश ने कहा कि सीबीआई की अंतिम रिपोर्ट से गंभीर संदेह के आधार पर एक व्यापक साजिश'' का खुलासा होता है। उन्होंने लालू प्रसाद और उनके परिवार के सदस्यों समेत आरोपियों द्वारा बरी किए जाने की याचिका को भी ''अनुचित'' बताते हुए खारिज कर दिया और इस बात पर जोर दिया कि पूर्व रेल मंत्री और अन्य लोग ''भूमि हड़पने के लिए एक संगठित आपराधिक समूह की तरह काम कर रहे थे।''

रिहर्सल

शुक्रवार को कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड की रिहर्सल के दौरान भारतीय वायुसेना का दल उत्साह के साथ जयकारे लगाते हुए।

विदेशी विद्यार्थियों को खूब आकर्षित कर रहा है 'केआईआईटी'

नीति आयोग के अनुसार देश का 5वां सबसे अच्छा विश्वविद्यालय है

भुवनेश्वर। भारत सरकार के नीति आयोग द्वारा प्रकाशित एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, 'केआईआईटी' को विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित करने के मामले में भारत में 5वां सबसे अच्छा विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत, उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। हालांकि 'केआईआईटी' ओडिशा राज्य में भुवनेश्वर जैसे दूसरे दर्जे के शहर में स्थित है, लेकिन वर्तमान में पूर्वी भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों में नामांकित कुल 2,362 विदेशी विद्यार्थियों में से यहां 70 देशों के 2,000 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी पढ़ते हैं। साथ ही 5,000 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों का एक मजबूत वैश्विक पूर्व विद्यार्थी आधार भी है। अंतर्राष्ट्रीय छात्र नामांकन के मामले में 'केआईआईटी' भारत में पांचवें सबसे अच्छे विश्वविद्यालय के रूप में रैंक करता है। रिपोर्ट के अनुसार, भुवनेश्वर अब कोलकाता और हैदराबाद जैसे महानगरीय शहरों को पीछे छोड़कर अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों का केंद्र बनकर उभरा है। गत दिनों हार्वड यूनिवर्सिटी यूएसए से 21 विद्यार्थियों के एक प्रतिनिधि मंडल ने केआईआईटी, केआईएसएस व केआईएमएस के संस्थापक डॉ अच्युत सामंत के साथ विभिन्न संस्थानों का दौरा किया।

व्यापार समझौते पर अमेरिकी वाणिज्य मंत्री की टिप्पणी गलत : भारत

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने शुक्रवार को अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक की इस टिप्पणी को गलत बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता इसलिए सफल नहीं हो सका क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बात नहीं की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका ने समझौते पर कई दौर की बातचीत की तथा नई दिल्ली इसे अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ''हमने टिप्पणियों को देखा है। भारत और अमेरिका पिछले साल 13 फरवरी को भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए प्रतिबद्ध थे।'' तब से दोनों पक्षों ने संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते पर पहुंचने के लिए कई दौर की बातचीत की है। उन्होंने अपनी साप्ताहिक प्रेसवार्ता में कहा, ''कई मौकों पर हम समझौते के बेहद करीब पहुंच गए थे। संबंधित टिप्पणियों में इन चर्चाओं का जो वर्णन किया गया है, वह सटीक नहीं है।'' वह लटनिक की टिप्पणियों पर पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे। जायसवाल ने कहा, ''हम दो पूरक अर्थव्यवस्थाओं के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते में रुचि रखते हैं और इसे पूरा करने के लिए तत्पर हैं। संयोगवश, प्रधानमंत्री (मोदी) और राष्ट्रपति ट्रंप ने 2025 के दौरान आठ बार फोन पर बातचीत की, जिसमें हमारी व्यापक साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई।''

भारत के लिए प्रमुख निर्यात गंतव्य बनकर उभर रहा चीन, अप्रैल-नवंबर के दौरान निर्यात 33 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली/भाषा। भारत के लिए चीन एक प्रमुख निर्यात गंतव्य के रूप में उभरा है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान निर्यात 33 प्रतिशत बढ़कर 12.22 अरब अमेरिकी डॉलर पहुंच गया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। ये आंकड़े द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में संरचनात्मक बदलाव का संकेत दे रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, निर्यात में वृद्धि तेल खली, समुद्री उत्पाद, दूरसंचार उपकरण और मसालों जैसे उत्पादों के कारण हुई है। भारत ने अप्रैल-नवंबर 2024-25 के दौरान 9.2 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य का सामान निर्यात किया। अप्रैल-नवंबर 2022-23 में यह 9.89 अरब अमेरिकी डॉलर और 2023-24 में 10.28 अरब अमेरिकी डॉलर था। आंकड़ों के अनुसार, 2025-26 में 12.22 अरब अमेरिकी डॉलर तक की तीव्र वृद्धि न केवल पिछले वर्ष की गिरावट के उलट है बल्कि पिछले चार वर्ष में सर्वाधिक भी है। इलेक्ट्रॉनिक खंड में अप्रैल से नवंबर (पहले आठ महीनों) के दौरान जिन मुख्य वस्तुओं में वृद्धि दर्ज की गई।

अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच की सिफारिश

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को अंकिता भंडारी प्रकरण की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराये जाने की सिफारिश कर दी । मुख्यमंत्री ने यह घोषणा करते हुए कहा कि दिवंगत अंकिता भंडारी के मातापिता के अनुरोध एवं उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए राज्य सरकार ने इस प्रकरण की सीबीआई से जांच कराये जाने की संस्तुति की है ।

धामी ने कहा कि हाल में उन्होंने अंकिता भंडारी के मातापिता से मुलाकात की थी और इस दौरान उन्होंने मामले की सीबीआई जांच कराये जाने का अनुरोध किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य शुरू से अंत तक निष्पक्ष, पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से न्याय सुनिश्चित करना रहा है एवं आगे भी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जानकारी मिलते ही राज्य सरकार ने बिना किसी भेदभाव के पूरी पारदर्शिता के साथ कार्रवाई आरंभ की और मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एक महिला आईपीएस अधिकारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया । उन्होंने कहा कि इस प्रकरण से जुड़े सभी आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया गया तथा राज्य सरकार की ओर से प्रभावी एवं सशक्त पैरवी सुनिश्चित की गई, जिसके परिणामस्वरूप मामले के तीनों दोषियों को निचली अदालत द्वारा उम्रकैद की सजा सुनाई गई । धामी ने कहा कि पूरे प्रकरण में इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि राज्य सरकार ने आरंभ से लेकर अंत तक निष्पक्षता, पारदर्शिता और दृढ़ता के साथ न्याय सुनिश्चित किया है।

कुशल रोजगार सृजन, गुणवत्ता में सुधार भारत के अल्पकालिक लक्ष्य: ईएसी-पीएम प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने शुक्रवार को कहा कि भारत के अल्पकालिक लक्ष्यों में कुशल रोजगार सृजन पर अधिक ध्यान देना शामिल है ताकि इस प्रक्रिया में रोजगार की गुणवत्ता में सुधार लाया जा सके।

अहमदाबाद विश्वविद्यालय के 7वें वार्षिक अर्थशास्त्र सम्मेलन में देव ने स्वीकार किया कि देश रोजगार की गुणवत्ता में पिछड़ रहा है, जिसे उन्होंने समावेश वृद्धि प्राप्त करने के महत्वपूर्ण घटकों में एक बताया। आर्थिक वृद्धि को हासिल करने के लिए अल्पकालिक लक्ष्यों के बारे में 'पीटीआई-भाषा' के एक सवाल पर देव ने कहा, ''कोविड-19 वैश्विक महामारी के बाद के वर्ष में 2022-23 से 2025-26 तक औसत वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत है। इसलिए हमने सुधार कर लिया है। भारत जुझारू है। हम सभी बाधाओं के बावजूद निवेश और निर्यात को बढ़ावा दे रहे हैं। हमारा ध्यान रोजगार सृजन एवं कुशल नौकरियों पर है। हम रोजगार की गुणवत्ता में पिछड़ रहे हैं।'' 'भारतीय अर्थव्यवस्था: वृद्धि, समावेशन एवं स्थिरता' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि 'विकसित भारत 2047' का मतलब केवल वृद्धि हासिल करना नहीं बल्कि समावेशी वृद्धि भी है। देव ने कहा, '' समावेशी वृद्धि हासिल करने में गुणवत्तापूर्ण रोजगार एक महत्वपूर्ण घटक है। रोजगार के क्षेत्र में हमें कई मुद्दों का सामना करना पड़ता है, जैसे कि 'गिग वर्कर', महिलाओं की भागीदारी दर, युवाओं के लिए रोजगार सृजन, कृत्रिम मेधा (एआई) सहित प्रौद्योगिकी। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण भी असमानताओं को कम करने के प्रयासों का हिस्सा हैं। ये वे क्षेत्र हैं जहां समावेश को बढ़ाया जा सकता है।''

दीर्घकालिक लक्ष्यों पर उन्होंने कहा, '' विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में वृद्धि के दो प्रमुख कारक, निवेश दर एवं घरेलू बचत में वृद्धि और निर्यात को बढ़ावा देना हैं।'' उन्होंने निर्यात में विविधता लाने, माल एवं सेवा कर (जीएसटी), आयकर सुधार और श्रम संहिता, साथ ही गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों तथा परमाणु ऊर्जा में निजी क्षेत्र को शामिल करने की ओर भी इशारा किया। देव ने कहा कि कई देशों ने विनिर्माण एवं सेवाओं के माध्यम से संरचनात्मक बदलाव हासिल किया है। भारत को श्रम-प्रधान रोजगार सृजित करने के लिए अब भी मजबूत विनिर्माण वृद्धि की आवश्यकता है। उन्होंने विनिर्माण एवं सेवाओं में से किसी एक को चुनने की धारणा को खारिज करते हुए कहा कि ये दोनों क्षेत्र प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि पूरक हैं। विनिर्माण पर उन्होंने कहा कि यह सेवाओं में भी वृद्धि को बढ़ावा देता है क्योंकि आधुनिक विनिर्माण में एआई जैसे सेवा घटकों को तेजी से शामिल किया जा रहा है।

तुर्कमान गेट पथराव मामले में दिल्ली पुलिस ने एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने तुर्कमान गेट पर हुए पथराव मामले में शुक्रवार को एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया, जिससे इस सिलसिले में अब तक गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या 12 हो गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि जुमे की नमाज के मद्देनजर इलाके में और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा के इंतजाम पुख्ता किए गए थे।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मध्य) निधिन वलसन ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हमने मोहम्मद इमरान (36) को गिरफ्तार कर लिया है। विस्तृत जांच जारी है। इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी।'' कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए संवेदनशील इलाकों में बड़ी संख्या में पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। वरिष्ठ अधिकारी भी जमीनी स्तर पर व्यवस्थाओं की निगरानी करते नजर आए। पुलिस के अनुसार, मस्जिदों एवं आसपास की गलियों के पास अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं और आवागमन को नियंत्रित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चौकियां स्थापित की गई हैं। वलसन ने बताया कि इलाके पर कड़ी नजर रखने के लिए ड्रोन और सीसीटीवी के जरिये निगरानी की जा रही है। हालात शांत और काबू में हैं। अतिरिक्त आयुक्त ने जुमे की नमाज से संबंधित चिंताओं को स्पष्ट करते हुए बताया कि किसी भी मस्जिद पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। उन्होंने बताया, ''हमने किसी भी मस्जिद में जुमे की नमाज पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है। हमने अतिक्रमण स्थल की संरचनात्मक सुरक्षा की भी जांच कर ली है।'' सामान्य स्थिति बहाल होते ही पहले लगाए गए प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे।

खदानों के परिचालन में लाने में लगने वाला समय कम करने की आवश्यकता : जी किशन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने शुक्रवार को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए खानों को परिचालन में लाने में लगने वाले समय को कम करने की आवश्यकता पर जोर दिया और राज्यों से घरेलू मांग को पूरा करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक कचरे से महत्वपूर्ण खनिजों के निष्कर्षण पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर खनन परिवेशी तंत्र तेजी से बदल रहा है और शहरी खनन में अपार संभावनाएं हैं। रेड्डी गांधीनगर के 'महात्मा मंदिर कन्वेंशन सेंटर' में 'राष्ट्रीय खनिज चिंतन शिविर - 2026' के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलती खनन भू-राजनीति, महत्वपूर्ण खनिजों पर ध्यान केंद्रित करने, नई प्रौद्योगिकी के आने, टिकाऊ लक्ष्यों और प्रतिस्पर्धी खनन बाजारों के कारण वर्तमान में खनन क्षेत्र वैश्विक स्तर पर एक गतिशील चरण में है। रेड्डी ने कहा, वैश्विक स्तर पर खनन का पूरा तंत्र तेजी से बदल रहा है। आज यह क्षेत्र न केवल विकास और औद्योगिक वृद्धि का माध्यम है, बल्कि भारत की भू-राजनीतिक शक्ति, रणनीतिक सुरक्षा और वैश्विक प्रभाव का एक महत्वपूर्ण आधार भी बन गया है। उन्होंने कहा, हमें नई तकनीकों को अपनाकर अन्वेषण में तेजी लानी होगी।

'नेहरू ने 'वंदे मातरम' गीत का विभाजन किया, जिसने देश के बंटवारे के बीज बोए'

ठाणे/भाषा। भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया है कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने मुसलमानों को खुश करने के लिए 'वंदे मातरम' गीत को दो भागों में विभाजित किया था, जिसने भारत के विभाजन के बीज बोए।

वह बृहस्पतिवार रात को दिवंगत रामभाऊ म्हालगी स्मृति व्याख्यान शृंखला के 40वें उद्घाटन संगोष्ठी में 'वंदे मातरम एंड नेशनल रिसर्जेंस' विषय पर बोल रहे थे।

पूनावाला ने कहा, मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के दबाव में 1937 में जवाहरलाल नेहरू ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पत्र लिखकर गीत को दो भागों में विभाजित किया। उन्होंने कहा कि भारत के विभाजन के बीज राष्ट्रगीत के विभाजन में ही बोए गए थे। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कभी राष्ट्रीय एकता का प्रतीक 'वंदे मातरम' गीत का इस्तेमाल पार्टी द्वारा वोट बैंक की राजनीति के लिए किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए भारतीयों को जातिगत आधार पर बांटना जारी रखे हुए है। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि कुछ लोग राष्ट्रगीत गाने से इनकार करते हैं, और अपने इस कृत्य को अपने धर्म के विरुद्ध बताते हैं।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नायडू ने 'प्रभाला तीर्थम' को राजकीय उत्सव घोषित किया

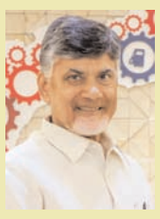

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि मंत्रिमंडल ने सदियों पुरानी पारंपरिक रथ यात्रा 'प्रभाला तीर्थम' को राजकीय उत्सव घोषित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि कोनासीमा के जगन्ना थोता गांव में आयोजित यह उत्सव संक्रांति के दौरान मनाया जाता है और इसमें पूरे क्षेत्र से श्रद्धालु आते हैं। नायडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कोनासीमा के लोगों (जिन्होंने पीढ़ियों से इस परंपरा को संरक्षित रखा है) की भक्ति और आस्था का सम्मान करते हुए मंत्रिमंडल ने जगन्ना थोता प्रभाला तीर्थम को राजकीय उत्सव के रूप में आयोजित करने का निर्णय लिया है।'' उन्होंने कहा कि इस उत्सव के दौरान 11 प्राचीन शिव मंदिरों की मूर्तियां एक ही मंच पर एकत्रित होती हैं, जिससे यह क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण आध्यात्मिक आयोजनों में से एक बन जाता है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन में प्रतिवर्ष लगभग पांच लाख लोग शामिल होते हैं और उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस फैसले से कोनासीमा में सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलने और पारंपरिक त्योहारों के संरक्षण के लिए राज्य के प्रयासों को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राजस्थान के बीकानेर में शुक्रवार को तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव शुरू हुआ जिसमें पहले दिन स्थापत्य कला, व्यंजन और लोक कलाओं के विविध आकर्षक रंग देखने को मिले। नौ से 11 जनवरी तक चलने वाले इस उत्सव का आगाज 'हेरिटेज वॉक' के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल थे। मेघवाल ने कहा कि तीन दिवसीय ऊंट उत्सव से बीकानेर के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा भारत सरकार के कुछ संस्थानों से लोक कलाकारों को जोड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि एक हजार हवेलियों वाले बीकानेर में हवेलियों को कोई आंच नहीं आने दी जाएगी।

जम्मू: सीमावर्ती इलाके में संदिग्ध 'नैनो ड्रोन' बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू जिले के सीमावर्ती इलाके में सुरक्षा बलों ने जमीन पर पड़ा हुआ एक संदिग्ध 'नैनो ड्रोन' बरामद किया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय निवासी द्वारा दी गई सूचना के आधार पर बृहस्पतिवार रात आर. एस. पुरा के चकरोई सीमावर्ती क्षेत्र से यह बरामदगी की गई।

अधिकारियों के अनुसार, 'नैनो ड्रोन' की बरामदगी के बाद इस संबंध में जांच शुरू की गई है।

यह सुनिश्चित किया जाये कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं का लाभ लाभार्थियों तक पहुंचे : ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलासपुर (हिप्र)/भाषा। हिमाचल प्रदेश की हमीरपुर लोकसभा सीट से सांसद अनुराग ठाकुर ने जिले के अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि केंद्र प्रायोजित योजनाओं का लाभ लाभार्थियों तक समय पर और पारदर्शी तरीके से पहुंचे।

ठाकुर ने बृहस्पतिवार को यहां जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए इस बात पर जोर दिया कि अधिकारियों को योजनाओं के कार्यान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए व जनहित से संबंधित विकास कार्यों और योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम समेत विभिन्न योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। सांसद ने राष्ट्रीय टीबी मुक्त कार्यक्रम के तहत निक्षय मित्र योजना को अधिक महत्व देने पर जोर दिया।

उड्डयन क्षेत्र में बड़े 'खिलाड़ियों' को आना चाहिए : प्रफुल्ल पटेल

मुंबई/भाषा। पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री प्रफुल्ल पटेल ने शुक्रवार को कहा कि देश के विमानन क्षेत्र में बड़े 'खिलाड़ियों' को कदम रखना चाहिए, न कि अविश्वसनीय लोगों को।

पटेल ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा, भारत में नई विमानन कंपनियों के आने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। लेकिन विमानन एक बहुत ही जटिल उद्योग है। यह एक कठिन उद्योग है, जिसमें बहुत अधिक पूंजी लगती है और नकदी का प्रवाह भी बहुत तेज होता है। उन्होंने कहा, इसीलिए यह जरूरी है कि विमानन व्यवसाय में बड़े 'खिलाड़ी' कदम रखें, न कि अविश्वसनीय लोगों को। कुछ नई विमानन कंपनियों को लाइसेंस जारी किए गए हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता कि वे लंबे समय तक टिकने वाली हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता पटेल (68) साल 2004 से 2011 के बीच केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री थे। वह वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं।

पटेल ने कहा, हमें टाटा जैसी मजबूत कंपनियों की जरूरत है, जो

एअर इंडिया के साथ आई। ऐसे ही अन्य बड़े नामों के भी विमानन क्षेत्र में कदम रखने की जरूरत है। पिछले महीने इंडिगो की उड़ानों में बड़े पैमाने पर व्यवधानों के बारे में पूछे जाने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, इंडिगो आर्थिक रूप से बेहद मजबूत विमानन कंपनी है। पायलट और 'फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन' (एफडीटीएल) नियमों से संबंधित समस्या थी। काश कंपनी ने इसे बेहतर तरीके से संभाला होता! पटेल ने कहा, हालांकि, कुल मिलाकर इंडिगो भारतीय विमानन बाजार में अब भी एक बहुत महत्वपूर्ण 'खिलाड़ी' है और आने वाले कई वर्षों तक महत्वपूर्ण बनी रहेगी। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि विमानन क्षेत्र को मजबूत 'खिलाड़ियों' की जरूरत है। यहां एकाधिकार या दो कंपनियों का वर्चस्व नहीं है... अतीत में आपने जेट एयरवेज, किंगफिशर और गोएयर को वित्तीय रूप से विफल होते देखा है और कई अन्य विमानन कंपनियों को भी इसी तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा है।

डब्ल्यूईएफ की वार्षिक बैठक में कई मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों के साथ शामिल होंगे डोभाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के इस महीने के अंत में स्विट्जरलैंड के शहर दावोस में होने वाली विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में शामिल होने की संभावना है।

उनके अलावा भारतीय दल में कम से कम चार केंद्रीय मंत्रियों - अश्विनी वैष्णव, शिवराज सिंह चौहान, प्रल्हाद जोशी और के राम मोहन नायडू के साथ ही छह मुख्यमंत्रियों और देश के 100 से अधिक शीर्ष मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के शामिल होने की उम्मीद है। 'संवाद की भावना' के विषय के तहत आयोजित की जा रही यह पांच दिवसीय वार्षिक बैठक 18-24 जनवरी तक चलेगी।

बैठक में शामिल होने वाले मुख्यमंत्रियों में महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, असम के हिमंत विश्व शर्मा, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, तेलंगाना के ए रेवंत रेड्डी और झारखंड के हेमंत सोरेन शामिल हैं। जहां रेड्डी कांग्रेस पार्टी से हैं, सोरेन कांग्रेस की सहयोगी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा से और नायडू भाजपा की सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी से हैं, वहीं अन्य तीन मुख्यमंत्री भाजपा से हैं। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार (कांग्रेस) के भी वहां रहने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्रियों में नायडू तेदेपा से हैं, जबकि अन्य चार भाजपा से हैं। इसके अलावा, गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष रमेशभाई संघवी (भाजपा) और उत्तर प्रदेश का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी दुनिया भर के अमीर और शक्तिशाली लोगों के इस वार्षिक जमावड़े के लिए दावोस की यात्रा करेंगे। वैश्विक नेताओं में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने वरिष्ठ सहयोगियों-वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट, वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक और ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट के साथ वहां पहुंच सकते हैं।

चीनी कंपनियों पर लगे प्रतिबंधों को हटा सकती है सरकार : कांग्रेस का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को एक खबर का हवाला देते हुए दावा किया कि मोदी सरकार अब चीनी कंपनियों पर लगे पांच साल पुराने प्रतिबंधों को हटाने का प्रस्ताव रख रही है, ताकि वे भारतीय सरकारी ठेकों के लिए बोली लगा सकें।

विपक्षी दल ने यह भी दावा किया कि यह कदम चीनी आक्रामकता के सामने एक ''सोची-समझी आत्मसमर्पण नीति'' से कम नहीं है। कांग्रेस ने यह भी मांग की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संसद के आगामी बजट सत्र के दौरान चीन नीति पर अपनी सरकार के अचानक लिए गए इस ''यू-टर्न'' के बारे में स्पष्टीकरण दें।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस मुद्दे को लेकर सरकार पर निशाना साधा।

खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं देश नहीं झुकने दूंगा। आज जो हो रहा है, वह बिल्कुल उसका उल्टा है। दो ताजा उदाहरण- पांच साल से लगा चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध हटाया जा रहा है। गलवान में भारतीय वीर सैनिकों ने जो आहुति दी, उनके बलिदान का अपमान तो मोदी जी ने चीन को 'क्लीन चिट' थमाकर किया था।''

खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, ''अब चीनी कंपनियों के लिए ''लाल कार्पेट'' बिछाकर, वह ये दिखा रहे हैं कि उनकी 'लाल आंख में चीनी 'लाल रंग' कितना गहरा है।''

कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रोजाना भारत द्वारा रूसी तेल निर्यात पर टिप्पणी कर रहें हैं लेकिन मोदी जी चुप हैं और अपनी ''नजरें चुरा रहे हैं''।

केंद्र ने तमिलनाडु में 235 करोड़ रुपए की पत्तन परियोजनाएं शुरू कीं

इससे समुद्री नेतृत्व से होने वाले विकास को बढ़ावा मिलेगा : सर्बानंद सोनोवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आयोजित विकसित भारत, विकसित पोर्ट्स कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि ये परियोजनाएं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी, जलवायु-सहिष्णु तथा डिजिटल रूप से सक्षम पत्तनों के निर्माण के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। साथ ही, ये पहल व्यवसाय करने में सुगमता और तटीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने में भी सहायक होंगी। सर्बानंद सोनोवाल ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी वह विज़न और नेतृत्व प्रदान करते हैं जो भारत के समुद्री क्षेत्र के रूपांतरण को गति देता है। मोदी जी का विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत पर स्पष्ट ध्यान हमारे द्वारा किए जाने वाले प्रत्येक सुधार का मार्गदर्शन करता है। हम पत्तनों का आधुनिकीकरण कर रहे हैं, तटीय लचीलापन सुदृढ़ कर रहे हैं, परिचालनों का डिजिटलीकरण कर रहे हैं तथा व्यापार सुगमता का विस्तार कर रहे हैं, जिससे भारतीय पत्तन विकास के इंजन, राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता के आधार और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के केंद्र के रूप में उभर सकें।

कुल व्यय में से 129.36 करोड़ रुपये चेन्नई पत्तन प्राधिकरण में परियोजनाओं के लिए तथा 105.64 करोड़ रुपये कामराजार पत्तन लिमिटेड में पहलों के समर्थन हेतु निर्धारित किए गए हैं। चेन्नई पत्तन प्राधिकरण के लिए केंद्रीय मंत्री ने लचीलापन, सुरक्षा और सार्वजनिक सेवा प्रदाय पर केंद्रित तीन परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में लगभग 850 मीटर लम्बी तटीय बर्थ के पीछे स्थित तटीय संरक्षण तटबंध की मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण शामिल है। यह कार्य 33.28 करोड़ रुपये की लागत से जलवायु-सहिष्णु अभिकल्पों के साथ किया जाएगा। मंत्री ने तेल गोदी क्षेत्र में तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय के सुरक्षा मानकों पर खरा उतरने के लिए 43 करोड़ रुपये के निवेश से एक नए अग्निशमन पंप गृह के निर्माण का भी शिलान्यास किया। इससे महत्वपूर्ण ऊर्जा-सुरक्षा परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा मानकों के पूर्ण अनुपालन वाली समर्पित, उच्च-क्षमता अग्निशमन अवसंरचना स्थापित होगी। इसके अतिरिक्त, 8.08 करोड़ रुपये के निवेश से चेन्नई पत्तन अस्पताल के आधुनिकीकरण के लिए भी शिलान्यास किया गया। इस परियोजना का उद्देश्य वार्डों, शल्य चिकित्सा कक्षों, निदान सुविधाओं तथा सहायक सेवाओं का उन्नयन करने के साथ-साथ निर्बाध चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करना है।

सोनोवाल ने एंटरप्राइज बिजनेस सिस्टम (ईबीएस) का भी उद्घाटन किया, जो एक सैप-आधारित (एसएपी- आधारित) एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म है और यह वित्त, पत्तन संचालन, मानव संसाधन, परिसंपत्तियों, खरीद एवं ग्राहक सेवाओं को एक इकहरे आधार पर लाता है। इस प्रणाली का विकास 45 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है और इसके माध्यम से पारदर्शिता, अनुपालन और संचालन दक्षता में वृद्धि होने की अपेक्षा है, जिससे व्यवसाय की सुगमता में महत्वपूर्ण सुधार होगा।

कामराजार पत्तन लिमिटेड के लिए, मंत्री ने उत्तरी-पश्चिमी सीमा पर नई सीमा दीवार का शिलान्यास किया, जो उत्तरी पत्तन पहुँच मार्ग (एनपीएआर) से जुड़ती है, और इसकी लागत 1.39 करोड़ रुपये है। इससे पहुँच नियंत्रण और लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार होगा। केंद्रीय मंत्री ने 105 करोड़ रुपये के निवेश से पुनर्वासित उत्तरी ब्रेकवॉटर हेड का उद्घाटन भी किया, जिसे चक्रवात से हुए नुकसान के बाद सुदृढ़ किया गया है, जिससे नौवहन सुरक्षा और पत्तन संचालन में निरंतरता सुनिश्चित की जा सके। यह परियोजना भारत के पूर्वी समुद्री गलियारे में पत्तन की भूमिका को मजबूत करती है। पुनर्वास में 202 मीटर क्षेत्र शामिल है, जिसमें 3035 नए 25 मीट्रिक टन के टेट्रापॉड लगाए गए हैं। यह क्षेत्र पहले चक्रवात थाने और नीलम के दौरान क्षतिग्रस्त हुआ था।

भारत के समुद्री क्षेत्र में इन परियोजनाओं की भूमिका के महत्व पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा, ये परियोजनाएं भारत को विश्व के अग्रणी समुद्री देशों में स्थापित करने के लिए एक बड़े, एकीकृत प्रयास का हिस्सा हैं। पत्तनों का आधुनिकीकरण, लचीलापन सुदृढ़ करना, परिचालनों का डिजिटलीकरण और व्यवसाय की सुगमता में सुधार करके, हम वह समुद्री आधार तैयार कर रहे हैं जो भारतीय अर्थव्यवस्था को रूपांतरित करने और इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के विज़न की दिशा में अग्रसर करने के लिए आवश्यक है। केंद्रीय मंत्री ने चेन्नई पत्तन विद्यालय के 20 छात्रों के नौकायन प्रशिक्षण के लिए रॉयल मद्रास यॉट क्लब (आरएमवाईसी) को 18 लाख रुपये का चेक भी प्रदान किया। सोनोवाल ने कहा कि इन संयुक्त निवेशों से एक समुद्री शक्ति के रूप में तमिलनाडु की स्थिति उन्नत होगी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में भारत की स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने कहा, सागरमाला के तहत निरंतर निवेश और सुधार भारत के पत्तनों को वैश्विक मानकों वाले केंद्रों में बदल रहे हैं, जो विकास, रोजगार और राष्ट्रीय गौरव को समर्थन देते हैं।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए शहर के टोंडियारपेट इलाके में स्थित स्वबोधिनी विद्यालय एवं व्यावसायिक केंद्र का भी दौरा किया, जहाँ उन्होंने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकगण के साथ संवाद किया और समावेशी विकास के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। सोनोवाल ने स्वबोधिनी के एकीकृत मॉडल की समीक्षा की, जिसमें विशेष शिक्षा को व्यावसायिक, वाक् और संवेदी चिकित्सा, फिजियोथेरेपी, खेल, योग और व्यावसायिक प्रशिक्षण के साथ जोड़ा गया है। इसमें मुद्रण, मोमबत्ती एवं साबुन बनाना और कम्प्यूटर शिक्षा जैसे कौशल विकास कार्यक्रम भी शामिल हैं। माननीय मंत्री को मापनीय परिणामों की जानकारी दी गई, जिनमें बच्चों की गतिशीलता, संचार कौशल में सुधार और सफल नियुक्तियाँ शामिल हैं। इसके अलावा, स्थायित्व के मूल्यों को सुदृढ़ करते हुए श्री सोनोवाल ने एक-पेड-माँ-के-नाम अभियान के तहत एक पौधा भी रोपा। इस कार्यक्रम में डॉ. मालिनी वी. शंकर, कुलपति, इंडिया मैरीटाइम यूनिवर्सिटी (आईएमयू), एस. विश्वनाथन, अध्यक्ष, चेन्नई पत्तन प्राधिकरण, जे.पी. आइरीन सिंथिया, प्रबंध निदेशक, कामराजार पत्तन लिमिटेड सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी भाग लिया। इसके अलावा भी 450 से अधिक प्रतिभागियों, जिनमें पत्तन हितधारक, समुद्री पेशेवर, इंडिया मैरीटाइम यूनिवर्सिटी के छात्र और अधिकारी शामिल थे, ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

चेन्नई डिवीजन ने व्यापक सीसीटीवी प्रणाली लगाकर यात्रियों की सुरक्षा को बढ़ाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिणी रेलवे का चेन्नई डिवीजन अपने रेलवे स्टेशनों पर सीसीटीवी निगरानी का काफी विस्तार करके यात्रियों की सुरक्षा और आराम को प्राथमिकता देना जारी रखे हुए है, जिससे रोजाना लाखों यात्रियों के लिए एक सुरक्षित यात्रा वातावरण प्रदान किया जा रहा है। चेन्नई डिवीजन के अंतर्गत आने वाले 141 स्टेशनों में से 59 प्रमुख स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरे पहले से ही चालू हैं, जिनमें चेन्नई बीच-तांबरम उपनगरीय खंड और सभी एमआरटीएस स्टेशन शामिल हैं।

यात्रियों की सुविधा को और बढ़ाने के लिए, व्यस्त उपनगरीय स्टेशनों और छोटे हॉल्ट स्टेशनों सहित 82 अतिरिक्त स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इससे यह सुनिश्चित होगा कि प्रत्येक यात्री, चाहे वह कहीं से भी चढ़े या उतरे, सुरक्षित महसूस कर सके। दक्षिण रेलवे के चेन्नई सेंट्रल के गुम्मिडिपुंडी खंड: टोंडियारपेट, कोरुक्कुपेट, वीओसी नगर, तिरुवोट्टियूर, विम्को नगर, काठिवक्कम, नंदियामबक्कम, मिंजुर, अनुप्पमबट्टू, पोन्नेरी, कवराइपेट्टई और गुम्मिडिपुंडी में सीसीटीवी लगाने का कार्य चल रहा है। वहीं चेन्नई सेंट्रल के जोलारपेट्टई और चेन्नई सेंट्रल के अरक्कोनम खंड : व्यासरपाड़ी जीवा, पेरंबूर कैरिज वर्क्स, वेप्पमपट्टू, एगात्तूर, कदंबत्तूर, सेंजीपनमबक्कम, मनावुर, तिरुवलंगडु, मोसूर और पुलियामंगलम में भी कार्य प्रगतिशील है।

इसके अलावा, 19 उच्च जोखिम वाले बिंदु और महत्वपूर्ण क्रॉसिंग स्थान - जिनमें पोन्नेरी, कवराइपेट्टई, मिंजुर, पट्टाभिराम, तिरुनिनरावुर, अट्टीपट्टू, एन्नोर, तिरुवोट्टियूर, गुम्मिडिपुंडी, एलावुर, अरामबक्कम, तिरुत्तनी, बेसिन ब्रिज, विल्लीवक्कम, अंबत्तूर, अवाडी, तिरुवल्लूर, कदंबत्तूर और तिरुवलंगडु शामिल हैं जो पहले से ही सीसीटीवी निगरानी में हैं। सीसीटीवी के कैमरे प्लेटफार्मों, स्टेशन के प्रवेश और निकास द्वारों, बुकिंग कार्यालयों, फुट ओवर ब्रिज और आवागमन क्षेत्रों को कवर करते हैं, जिससे रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) आपात स्थितियों में तेजी से प्रतिक्रिया देने, भीड़ को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने और जरूरत पड़ने पर यात्रियों की सहायता करने में सक्षम होता है।

दक्षिण रेलवे को मिली समग्र दक्षता शील्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शुक्रवार को नई दिल्ली में 71 वें रेलवे सप्ताह समारोह का पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। जिसमें दक्षिण रेलवे ने तीन समग्र दक्षता शील्ड हासिल कीं। उत्कृष्ट कार्य के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा ग्यारह दक्षिणी रेलवे कर्मचारियों को व्यक्तिगत पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

71 वें रेल सप्ताह समारोह के अंतर्गत, 'अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार- 2025' समारोह में विभिन्न क्षेत्रीय रेलवे को उनके कार्यों में उत्कृष्टता के लिए 26 दक्षता शील्ड प्रदान की गईं। भारतीय रेलवे के 100 कर्मचारियों को उनके सराहनीय कार्य के लिए व्यक्तिगत पुरस्कार भी दिए गए। रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दक्षता शील्ड और व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए। रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, रेल बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार, रेल बोर्ड के सदस्य और भारतीय रेल विभाग के अधिकारी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। दक्षिण रेलवे ने 3 दक्षता शील्ड जीते- 11 कर्मचारियों को व्यक्तिगत पुरस्कार प्राप्त हुए। क्षेत्रीय रेलवे में, दक्षिणी रेलवे को लेखा एवं वित्त प्रबंधन, पर्यावरण एवं स्वच्छता तथा लोको रखरखाव में उत्कृष्टता के लिए तीन दक्षता शील्ड से सम्मानित किया गया। द. रेलवे के महाप्रबंधक आर.एन. सिंह और दक्षिणी रेलवे की प्रधान वित्त सलाहकार मालविका घोष ने रेल मंत्री द्वारा प्रदत्त लेखा एवं वित्त प्रबंधन शील्ड प्राप्त की। पर्यावरण एवं स्वच्छता शील्ड को मंत्री से दक्षिणी रेलवे के महाप्रबंधक आर.एन. सिंह और दक्षिणी रेलवे के प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता पी. महेश ने प्राप्त किया।

पलानीस्वामी ने अन्नाद्रमुक से टिकट के इच्छुक लोगों का साक्षात्कार शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। विपक्षी अन्नाद्रमुक ने शुक्रवार को तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के टिकट के इच्छुक उम्मीदवारों के साक्षात्कार की प्रक्रिया शुरू कर दी।

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) जहां एक ओर अपनी प्रमुख सहयोगी भारतीय जनता पार्टी के साथ सीट बंटवारे को लेकर बातचीत में लगी है, वहीं दूसरी ओर अपने उम्मीदवारों की सूची तैयार करने में जुटी है, जो उसकी चुनावी तैयारियों का संकेत है। प्रमुख विपक्षी दल ने अपने एक अन्य सहयोगी पीएमके के साथ सीट बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया है, लेकिन कहा है कि वह इसकी घोषणा बाद में करेगी।

पार्टी सत्ताधारी द्रमुक के विरोधी कुछ और दलों को अपने साथ जोड़ने की उम्मीद कर रही है।

सात जनवरी को राजधानी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने कहा कि कुछ दलों से बातचीत जारी है और उन्होंने टी.टी.वी. दिनाकरन के नेतृत्व वाली एएमएमके के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापस आने की संभावना से इनकार नहीं किया।

पलानीस्वामी ने विधानसभा चुनाव में अन्नाद्रमुक से चुनाव लड़ने के लिए टिकट मांगने वाले कोयंबटूर, नीलगिरि, तिरुपुर, नमक्कल, सलेम, इरोड और डिंडीगुल जिलों के लोगों का साक्षात्कार लिया।

शेष जिलों के लिए साक्षात्कार सत्र 10, 12 और 13 जनवरी को जारी रहेगा।

अन्नाद्रमुक को तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरल में 2026 के चुनावों में भाग लेने के लिए पार्टी सदस्यों से कुल 10,175 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 2,187 ने महासचिव पलानीस्वामी को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ने की इच्छा व्यक्त की थी।

अन्नाद्रमुक, भाजपा के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही : नयनार नागेंद्रन

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख नयनार नागेंद्रन ने कहा कि अन्नाद्रमुक और भाजपा के बीच शुक्रवार को यहां सीट बंटवारे पर बातचीत हुई और सीटों की संख्या की घोषणा बाद में की जाएगी। नागेंद्रन पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ यहां ग्रीनवेज स्थित अपने आवास पर अन्नाद्रमुक महासचिव के. पलानीस्वामी से मिलने गए और उनके साथ बातचीत की।

भाजपा और अन्नाद्रमुक ने 2021 का विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ा था। भाजपा ने 20 सीट पर चुनाव लड़ा था और चार सीटें जीती थीं। वहीं, अन्नाद्रमुक ने 191 सीट पर चुनाव लड़ा था और 66 सीटें हासिल की थीं। बैठक के बाद नागेंद्रन ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, बातचीत सुचारू रूप से हुई। हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस महीने के अंत में होने वाली तमिलनाडु की यात्रा पर चर्चा की। प्रधानमंत्री की यात्रा की तारीख अभी तय नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि उनकी रैली चेन्नई या मदुरै में आयोजित करने पर विचार किया जा रहा है। सीटों की संख्या के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, इसकी घोषणा बाद में की जाएगी। इस बीच, भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन 10 जनवरी को कोयंबटूर में पार्टी की बैठक के लिए यहां आने वाले हैं। इससे पहले गुरुवार को अन्नाद्रमुक के महासचिवएडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी, जहां उन्होंने तमिलनाडु की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की और यह स्पष्ट किया कि उन्होंने गठबंधन से संबंधित मामलों पर कोई चर्चा नहीं की थी। वहीं भाजपा ने गठबंधन को मजबूत करने के लिए आगामी हफ्तों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित वरिष्ठ नेताओं की नई दिल्ली से तमिलनाडु यात्रा की तैयारियों को तेज कर दिया है।

अशोक लेलैंड का लक्ष्य वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 वाणिज्यिक वाहन विनिर्माताओं में शामिल होना : धीरज हिंदुजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/लखनऊ। हिंदुजा समूह के चेयरमैन धीरज हिंदुजा ने शुक्रवार को लखनऊ में कहा कि अशोक लेलैंड का लक्ष्य दुनिया के शीर्ष 10 वाणिज्यिक वाहन विनिर्माताओं में शामिल होना है। अशोक लेलैंड के अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माण संयंत्र के उद्घाटन के अवसर पर हिंदुजा ने कहा कि यह नई इकाई कंपनी और राज्य दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा, यह उत्तर प्रदेश में हमारी पहली विनिर्माण इकाई है और यह इस बात का प्रतीक है कि दूरदर्शिता को निर्णायक कार्रवाई के साथ जोड़ने से क्या-क्या हासिल किया जा सकता है। इस 5,000 वाहनों की वार्षिक क्षमता वाले इस संयंत्र का उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी और अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में किया।

हिंदुजा ने उत्तर प्रदेश के आधुनिक बुनियादी ढांचे, बेहतर संपर्क, मजबूत कानून व्यवस्था और उत्तरदायी प्रशासन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन कारकों ने राज्य को उद्योग के लिए तेजी से आकर्षक बना दिया है। वर्ष 1948 में स्थापना के बाद से कंपनी के सफर पर उन्होंने कहा कि अशोक लेलैंड ने राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को समर्थन करने और लोगों एवं सामान की आवाजाही को सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 वाणिज्यिक वाहन विनिर्माताओं में शामिल होना है। हम प्रौद्योगिकी नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे ताकि हमारे उत्पाद भविष्य के लिए तैयार रहें और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहें।'' हिंदुजा ने कहा कि अशोक लेलैंड अब 50 से अधिक देशों में काम करती है जो गुणवत्ता एवं नवाचार से प्रेरित इसके बढ़ते अंतरराष्ट्रीय विस्तार को दर्शाता है।

तमिलनाडु में शिक्षकों की हड़ताल 15वें दिन भी जारी

प्रदर्शनकारी कर रहे मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप की मांग

चेन्नई। तमिलनाडु में सेकेंडरी ग्रेड सीनियरिटी टीचर्स एसोसिएशन' (एसजीटी) के सदस्यों ने समान काम के लिए 'समान वेतन' की मांग को लेकर चेन्नई में शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया। शिक्षकों ने आंदोलन के 15 वें दिन स्कूल शिक्षा निदेशालय (डीपीआई परिसर) में प्रदर्शन किया और यहां की प्रमुख अन्नासलाई सड़क पर एक रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने पूर्व में व्यक्तिगत रूप से दिए गए आश्वासनों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से सीधे तौर पर हस्तक्षेप करने की मांग की। एसोसिएशन के महासचिव जे. रॉबर्ट ने यहां पत्रकारों से कहा, ''द्रमुक (द्रविड़ मुनेत्र कषगम) सरकार ने चुनाव प्रचार के दौरान वेतन असमानताओं को दूर करने का वादा किया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है।'' उन्होंने कहा, ''हमने द्रमुक पर भरोसा किया और उन्हें वोट दिया। आज हम सड़क पर खड़े हैं क्योंकि कोई हमारी बात नहीं सुन रहा है। शिक्षक राज्य के विकास की रीढ़ हैं, फिर भी हमारे साथ विश्वासघात किया जा रहा है।''

चेन्नई में 1,000 लोग एकत्रित हुए, वहीं संगठन ने दावा किया कि राज्यव्यापी आंदोलन में 10,000 से अधिक शिक्षकों ने भाग लिया। संगठन ने सरकार की काम नहीं तो वेतन नहीं' नीति की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि शिक्षक पहले से ही अपने काम के अनुसार, कम वेतन पाने के कारण संघर्ष कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री से जल्द से जल्द समाधान निकालने का अनुरोध किया। संगठन ने यह भी धमकी दी कि अगर सरकार सौहार्दपूर्ण समाधान की उनकी मांगों को नजरअंदाज करती रही तो वे राज्य भर में आंदोलन को और तेज करेंगे।

केरल के मंत्री ने समय से पहले सेवानिवृत्त किए गए ईडी अधिकारी की गिरफ्तारी की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने केंद्र सरकार द्वारा समय से पहले सेवानिवृत्त किए गए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी की गिरफ्तारी की शुक्रवार को मांग की, जिन्होंने राजनयिक माध्यम से सोने की तस्करी के 2020 के मामले की जांच की थी।

केंद्र सरकार ने एजेंसी के कोच्चि कार्यालय में तैनात रह चुके प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के उप निदेशक को कथित तौर पर कदाचार के आरोप में सेवानिवृत्त करने का निर्देश दिया है। इस अधिकारी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से राजनयिक सामान के जरिए बड़ी मात्रा में सोने की तस्करी के मामले की जांच की थी, जिसके दौरान मुख्यमंत्री पिनराई विजयन का कार्यालय भी 2020 में जांच के घेरे में आया। शिवनकुट्टी ने आरोप लगाया, उन्होंने (ईडी अधिकारी) सोने की तस्करी, लाइफ मिशन मामले से जुड़े आरोप लगाकर और मुख्यमंत्री को आरोपी के रूप में पेश करने की कोशिश करके बड़ा विवाद खड़ा किया। मंत्री ने कहा कि ईडी अधिकारी ने अपने कार्यकाल के दौरान संभवत: करोड़ों रुपये की संपत्ति जुटाई होगी। शिवनकुट्टी ने केंद्र सरकार के अधिकारी को समय से पहले सेवानिवृत्त करने के फैसले का स्वागत किया, लेकिन कहा कि कार्रवाई यहीं समाप्त नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, उनका (ईडी अधिकारी का) प्रभाव अभी भी है। उनके खिलाफ कदाचार के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें जेल भेजने के बाद विस्तृत जांच की जानी चाहिए। ईडी की सोने की तस्करी मामले की जांच के कारण 2020 में एजेंसी और केरल सरकार के बीच तनातनी देखी गई थी। ईडी ने आरोप लगाया था कि राज्य सरकार ने तिरुवनंतपुरम में यूएई दूतावास के साथ सीधे संपर्क बना कर प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया। जांच के दौरान, एजेंसी ने लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के विधायक के. टी. जलील और मुख्यमंत्री के अतिरिक्त निजी सचिव सी. एम. रवींद्रन से भी पूछताछ की थी। बाद में अधिकारी का तबादला श्रीनगर स्थित ईडी कार्यालय में कर दिया गया। हालांकि, उन्होंने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) में तबादले को चुनौती दी, लेकिन उनकी याचिका खारिज कर दी गई। अधिकारी ने अभी तक इस घटनाक्रम पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

शबरीमला सोना चोरी का मामला : एसआईटी ने मुख्य पुजारी को गिरफ्तार किया

तिरुवनंतपुरम। शबरिमला सोना चोरी मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने शुक्रवार को यहां भगवान अयप्पा मंदिर के मुख्य पुजारी कंडारारू राजीवरू को गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, राजीवरू से सुबह एक अज्ञात स्थान पर पूछताछ की गई और दोपहर के समय उन्हें एसआईटी कार्यालय ले जाया गया, जहां उनकी गिरफ्तारी औपचारिक रूप से दर्ज की गई। अधिकारियों ने बताया कि यह गिरफ्तारी मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोट्टी और त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष पद्मकुमार द्वारा दिए गए बयानों के आधार पर की गई। एसआईटी ने पाया कि राजीवरू के पोट्टी के साथ घनिष्ठ संबंध थे और उन्होंने मंदिर में द्वारपालक (संरक्षक देवता) की प्लेटों एवं श्रीकोविल (गर्भगृह) के द्वार के फ्रेम की प्लेटों पर दोबारा परत चढ़ाने की सिफारिश की थी। अधिकारियों ने बताया कि बाद में जब त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड ने 'दोबारा प्लेटिंग' के लिए उनकी अनुमति मांगी, तो राजीवरू ने अपनी मंजूरी दे दी। एसआईटी के अधिकारियों ने बताया कि जांच के तहत राजीवरू से पहले भी पूछताछ की जा चुकी है। सोना चोरी प्रकरण की जांच के लिए केरल उच्च न्यायालय द्वारा एसआईटी गठित किए जाने के बाद मामले में यह ग्यारहवीं गिरफ्तारी है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई (दक्षिण)
38 & 39, व्हाइट्स रोड, रोयापेट्टा,
चेन्नई-600014 (टेलीफोन: 044-28523104)

पट्टे पर परिसर की आवश्यकता

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को **कोडम्बक्कम चेन्नई** में हमारी प्रस्तावित शाखा के लिए **2000 वर्ग फीट ± 10% कारपेट एरिया** वाला परिसर चाहिए जो अधिमानत: रूप से भू-तल / प्रथम तल पर हो या हमारे विनिर्देशों के अनुसार किराए के लिए निर्माणाधीन हो, जिसका आगे का भाग अच्छा हो, मुख्य सड़क की ओर हो और जिसमें पर्याप्त पार्किंग हो।

संभावित आवेदक जिनके पास स्पष्ट स्वामित्व हो या मालिकों की ओर से बातचीत करने का अधिकार हो, वे बैंक की वेबसाइट **www.unionbankofindia.co.in** और ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **www.eprocure.gov.in** से आवेदन-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। अथवा,

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई दक्षिण, व्हाइट्स रोड चेन्नई से कार्यालय अवधि के दौरान **दिनांक 10.01.2026** से प्रारूप प्राप्त करें और अपनी तकनीकी बोली एंव मूल्य बोली प्रस्ताव को दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में तकनीकी बोली एंव मूल्य बोली लिखकर दिनांक **27.01.2026** को या उससे पूर्व अपराह्न **03:30** बजे तक **क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई दक्षिण** में जमा कर दें । तकनीकी बोली **दिनांक 27.01.2026 को अपराह्न 04:30** बजे उपर्युक्त पते पर आवेदकों/उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जाएगी।

कृपया कोई दलाल या बिचौलिया न आएं। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम या सरकारी / अर्ध-सरकारी निकायों द्वारा पट्टे पर दी जाने वाली संपत्ति को प्राथमिकाता दी जाएगी। बैंक बिना कोई भी कारण बताए किसी भी या सभी बोलियों को अस्वीकार करने का अधिकार अपने पास सुरक्षित रखता है।

दिनांक: 10.01.2026 क्षेत्र प्रमुख
चेन्नई

बीकानेर में तीन दिन का अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव शुरू

जयपुर। राजस्थान के बीकानेर में शुक्रवार को तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव शुरू हुआ जिसमें पहले दिन स्थापत्य कला, व्यंजन और लोक कलाओं के विविध आकर्षक रंग देखने को मिले। नौ से 11 जनवरी तक चलने वाले इस उत्सव का आगाज 'हेरिटेज वॉक' के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल थे। मेघवाल ने कहा कि तीन दिवसीय ऊंट उत्सव से बीकानेर के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा भारत सरकार के कुछ संस्थानों से लोक कलाकारों को जोड़ जाएगा।

उन्होंने कहा कि एक हजार हवेलियों वाले बीकानेर में हवेलियों को कोई आंच नहीं आने दी जाएगी। 'हेरिटेज वॉक' में बीकानेर की स्थापत्य कला, व्यंजन और लोक कलाओं के विविध आकर्षक रंग देखने को मिले। इस अवसर पर देशी-विदेशी सैलानी, स्थानीय निवासी, जनप्रतिनिधि तथा प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी बीकानेरी रंगों में सराबोर नजर आए। केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने सूर्य नमस्कार की बारह मुद्राओं पर आधारित मूर्तिकला का लोकार्पण किया।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने टेक्सटाइल पॉलिसी की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने असम के गुवाहटी में राष्ट्रीय कपड़ा मंत्रियों के सम्मेलन में राजस्थान सरकार की टेक्सटाइल पॉलिसी को आदर्श बताते हुए सभी राज्यों को इसी प्रकार अपने टेक्सटाइल उद्योग के विकास और निवेश के लिए रोडमैप तैयार करने की सलाह दी है। कार्यक्रम में उनको राजस्थान टेक्सटाइल एण्ड अपैरल पॉलिसी-2025 की प्रति दी गई, इसे गौर से पढ़कर इसमें दिलचस्पी दिखाई, सम्बन्धित लोगों से फीडबैक लिया और इस नीति की सराहना की। इस दो-दिवसीय सम्मेलन में देश भर के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के कपड़ा मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी कपड़ा क्षेत्र के भविष्य के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए जुटे हैं। इसमें राजस्थान सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई के नेतृत्व में शामिल हुआ है, जिसमें वरिष्ठ अतिरिक्त आयुक्त एसएस शाह सहित अन्य अधिकारी शामिल हैं।

सम्मेलन में केन्द्रीय वस्त्र मंत्रालय ने राजस्थान सहित 15 राज्यों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर करके साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। वस्त्र मंत्रालय और संबंधित राज्य सरकारों के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन वस्त्र केंद्रित अनुसंधान, मूल्यांकन, निगरानी, योजना और स्टार्ट-अप (टेक्स-आरएएमपीएस) योजना का हिस्सा हैं। केंद्र सरकार की यह योजना वस्त्र संबंधी सांख्यिकीय उत्पादों और अनुसंधान की व्यापकता, गुणवत्ता, समयबद्धता और विश्वसनीयता में सुधार लाने के लिए बनाई गई है। इन समझौता ज्ञापनों के माध्यम से विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वस्त्र संबंधी डेटा प्रणालियों को सुदृढ़ करने के लिए एक मजबूत परिचालन ढांचा तैयार किया गया है। टेक्स-आरएएमपीएस योजना के तहत, यह पहल क्लस्टर और जिला स्तर पर सीधे प्रयास केंद्रित करके हथकरघा, हस्तशिल्प, परिधान, तकनीकी वस्त्र आदि सहित प्रमुख क्षेत्रों के लिए एकीकृत योजना को बढ़ावा देती है। इन संरचनात्मक सुधारों में सहयोग देने के लिए वस्त्र मंत्रालय प्रत्येक राज्य को प्रतिवर्ष 12 लाख रुपये का वित्तीय अनुदान प्रदान कर रहा है। इसमें प्रत्येक जिले के लिए प्रति वर्ष 1 लाख रुपये का अतिरिक्त अनुदान शामिल है, जिसका वितरण विशिष्ट जिला कार्य योजनाओं के विकास और कार्यान्वयन के आधार पर किया जाएगा।

उद्योग एवं वाणिज्य आयुक्त सुरेश कुमार ओला ने कहा कि राजस्थान के लिए यह गर्व का विषय है कि राष्ट्रीय स्तर पर उसकी नीतियों की सराहना की जा रही है और अन्य राज्यों को इस तरह की नीतियां बनाने का सुझाव दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा राजस्थान टेक्सटाइल एण्ड अपैरल पॉलिसी-2025 सहित कई नई नीतियां लागू की गई हैं, जिनका भविष्य में सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। इस पॉलिसी में निर्यातकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश में पहली बार गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को भी शामिल किया गया है। प्राकृतिक एवं कृत्रिम फाइबर उत्पादन को बढ़ाने से लेकर तकनीकी टेक्सटाइल्स और वस्त्र विनिर्माण, हैण्डलूम, ऊन प्रसंस्करण, चमड़े के उत्पाद, फुटवियर जैसे संबंधित क्षेत्र भी इस नीति का हिस्सा हैं। इस नीति के तहत वस्त्र और परिधान क्षेत्र के उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए 10 वर्षों तक 80 करोड़ रुपये वार्षिक तक का एसेट क्रिएशन इंसेंटिव, भूमि/भवन क्रय या लीज पर स्टांप ड्यूटी व पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट, बिजली उपभोग पर 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी छूट का प्रावधान किया गया है।

राज्यपाल ने पूर्व मंत्री जोशी के खिलाफ अभियोजन को मंजूरी दी

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पूर्व मंत्री महेश जोशी के खिलाफ धनशोधन रोकथाम अधिनियम के तहत अभियोजन चलाने की मंजूरी दी है। लोकभवन के प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक बयान के अनुसार बागडे ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के पूर्व मंत्री महेश जोशी के विरुद्ध धनशोधन रोकथाम अधिनियम 2002 के तहत प्रथम दृष्टया अपराध प्रमाणित होने पर अभियोजन स्वीकृति प्रदान की है। बयान के मुताबिक बागडे ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 164 के तहत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते महेश जोशी के विरुद्ध सक्षम न्यायालय में अभियोग चलाए जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजस्थान में जल जीवन मिशन (जेजेएम) से जुड़े कथित धनशोधन मामले में पूछताछ के बाद जोशी को 24 अप्रैल, 2025 को गिरफ्तार किया था। जोशी की गिरफ्तारी राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा आठ अगस्त 2023 को दर्ज की गई प्राथमिकी के आधार पर धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की धाराओं के तहत की गई थी। बाद में उन्हें जमानत मिल गई थी।

पीएचईडी विभाग का अभियंता रिश्वत में आईफोन लेते हुए पकड़ा गया

जयपुर। राजस्थान के झालावाड़ में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) के एक अधीक्षण अभियंता को कथित तौर पर रिश्वत के रूप में आईफोन लेते हुए गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ब्यूरो के अनुसार अधीक्षण अभियंता विष्णुचंद गोयल को परिवादी से बतौर रिश्वत आईफोन लेते हुए गिरफ्तार किया गया। फोन की कीमत 84 हजार रुपए बताई गई है। ब्यूरो का कहना है कि परिवादी ने शिकायत की थी कि पीएचईडी में हैंडपंप की मरम्मत और पाइपलाइन रिसाव की मरम्मत आदि का काम चल रहा है। विभाग के कर्मी इसमें पंजीकरण करवाने की एवज में उससे पच्चीस हजार रुपये ले चुके हैं तथा वे कामकाज में कमियां निकालकर उसे और उसके साझेदार को काम से हटाने की धमकी देते हैं। परिवादी का आरोप है कि वह जब अधीक्षण अभियन्ता से मिला तो उन्होंने उसका बकाया बिल पास करने तथा परेशान नहीं करने की एवज में 'आईफोन 16 प्रो' मांगा। ब्यूरो ने कहा कि शिकायत को सत्यापित करने के बाद परिवादी ने शुक्रवार को अन्य मॉडल का आईफोन आरोपी को दिया। एनसीबी टीम ने आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे जांच की जा रही है।

अनेक इलाके शीतलहर की चपेट में, कई जगह बारिश

जयपुर। राजस्थान के अनेक इलाकों में शीतलहर का दौर जारी है और बीते चौबीस घंटे में कई जगह हल्की बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने शुक्रवार सुबह यह जानकारी दी। विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में कहीं कहीं हल्की बारिश दर्ज की गयी। साथ ही राज्य के कुछ भागों में घना से अति घना कोहरा, शीत लहर व अति शीत दिन दर्ज किये गए। इस दौरान सर्वाधिक बारिश झुंझुनू में 5.0 मिलीमीटर हुई। इस दौरान अधिकतम तापमान जवाई बांध (पाली) में 24.4 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान जैसलमेर में 4.6 डिग्री दर्ज किया गया। राज्य में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने तथा आगामी 1-2 दिन राज्य के कुछ भागों में सुबह के समय अति घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। अनेक जगह शीतलहर जारी रहेगी।

जोधपुर कोर्ट परिसर में वकीलों और महिला पुलिस अधिकारी के बीच तनाव

जोधपुर। शहर के कोर्ट परिसर में उस समय तनाव की स्थिति बन गई जब एक वकील की कार से महिला पुलिस अधिकारी की गाड़ी टकरा गई। घटना के बाद आरोप है कि महिला पुलिस अधिकारी ने वकील के साथ दुर्व्यवहार किया। घटना के तुरंत बाद महिला पुलिस अधिकारी सीधे वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अपर मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट संख्या-8 की अदालत परिसर में पहुंच गई। इस बीच आक्रोशित वकीलों ने अधिकारी से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की, लेकिन अधिकारी ने माफी देने से इनकार कर दिया। माफी न मिलने के कारण वकीलों ने कोर्ट परिसर में हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पाकर प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे हैं।

शाह के जोधपुर आगमन से पहले प्रशासन अलर्ट

जोधपुर। देश के केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आज शाम जोधपुर आगमन से पहले प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड पर नजर आईं। वीवीआईपी विजिट को लेकर एयरपोर्ट से बीएसएफ कार्यालय मंडोर तक काफिला मार्ग (कारगेट) का व्यापक सुरक्षा रिहर्सल किया गया। रिहर्सल के दौरान पुलिस, बीएसएफ, खुफिया एजेंसियां और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। इस अभ्यास में काफिले की गति, सुरक्षा घेरे, ट्रैफिक डायवर्जन, आपातकालीन व्यवस्थाओं और संदिग्ध गतिविधियों पर त्वरित प्रतिक्रिया का रियल-टाइम परीक्षण किया गया। एयरपोर्ट से मंडोर स्थित बीएसएफ कार्यालय तक पूरे मार्ग पर अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई। प्रमुख चौराहों पर बैरिकेडिंग कर चेकिंग पॉइंट लगाए गए, वहीं ड्रोन, सीसीटीवी कैमरों और सादी वर्दी में तैनात सुरक्षा कर्मियों द्वारा लगातार निगरानी रखी गई। यातायात को सुचारू बनाए रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने डायवर्जन प्लान भी लागू किया। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार यह रिहर्सल केंद्रीय गृहमंत्री की सुरक्षा और उनके कार्यक्रम के निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है।

विगत दो वर्षों में बुनियादी ढांचे में हुआ बड़ा सुधार गांव-ढाणी तक मिल रहा गुणवत्तापूर्ण इलाज : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा और संवेदना से जुड़ा क्षेत्र है। विगत दो वर्षों में राज्य सरकार ने अपने बजट में स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। आगे भी स्वास्थ्य के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाया है। इससे गांव-ढाणी तक प्रदेशवासियों को गुणवत्तापूर्ण निःशुल्क उपचार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि बजट पूर्व संवाद का उद्देश्य यही है कि इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के सुझावों से एक ऐसा बजट बने, जिससे प्रदेश की 8 करोड़ से अधिक जनता को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं मिलें और राजस्थान स्वास्थ्य में सिरमौर बने।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शास्त्रों के अनुसार 'पहला सुख निरोगी काया' अर्थात स्वस्थ शरीर ही सबसे बड़ा सुख होता है। इसी अवधारणा के साथ प्रदेश में लागू की गई मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना अब पूरे देश के लिए मिसाल बन गई है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत अब तक 37 लाख मरीजों को 7 हजार 300 करोड़ रुपये का कैशलेस इलाज उपलब्ध करवाया गया है। इसी तरह, मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना के तहत औषधियां, सर्जिकल एवं सूचर्स उपलब्ध करवाने में राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर है। जिला चिकित्सालयों में बुजुर्गों के लिए रामाश्रय वार्ड खोले हैं, जहां उन्हें सम्मान के साथ स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चिकित्सा सेवा का क्षेत्र है। हर रोगी को संवेदनशीलता के साथ अच्छा उपचार मिले और जीवन रक्षा का उद्देश्य फलीभूत हो। यही इस क्षेत्र की महानता है। चिकित्सकों एवं इस क्षेत्र से जुड़े प्रत्येक स्वास्थ्यकर्मी को चाहिए कि वे अपने दायित्वों को निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाए। राज्य सरकार ऐसे सेवाभावी कार्मिकों के सम्मान में कोई कमी नहीं रखेगी। लेकिन जनता के पैसे का दुरूपयोग करने वाले एवं स्वास्थ्य योजनाओं में अनियमितता करने वाले कार्मिकों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दे रही है ताकि प्रदेश को प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 7 नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं और 15 नवीन मेडिकल कॉलेज निर्माणाधीन हैं। साथ ही, भीलवाड़ा, धौलपुर, प्रतापगढ़, नाथद्वारा एवं बूंदी में नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की गई है। हमारा प्रयास है कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा मिले। इस दिशा में जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निचले स्तर तक चिकित्सा सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। विगत दो वर्षों में 7 उप जिला अस्पताल, 2 सैटेलाइट अस्पताल, 5 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित कुल 14 संस्थानों का जिला चिकित्सालयों में क्रमोन्नयन तथा 7 नवीन सैटेलाइट अस्पतालों की स्थापना की गई है।

राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को बेहतर शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं को बेहतर शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में सरकार द्वारा समयबद्ध एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करते हुए सरकारी क्षेत्र में 4 लाख तथा निजी क्षेत्र में 6 लाख सहित कुल 10 लाख रोजगार सृजित करने के संकल्प पर निरंतर कार्य किया जा रहा है।

मुख्य सचिव शुक्रवार को शासन सचिवालय में उद्योगआईटीआई के बेहतर समन्वय, संस्थान प्रबंधन समितियों एवं आईटीआई के सुदृढ़ीकरण के सम्बन्ध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के अधिक से अधिक आईटीआई को उद्योगों से जोड़ा जाए, जिससे विद्यार्थियों को सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ उद्योगों की व्यावहारिक समझ भी प्राप्त हो सकें।

उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए अन्य राज्यों के नवाचारों एवं श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को अपनाया जाए तथा प्रदेश के आईटीआई को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित करने की दिशा में ठोस प्रयास किए जाएं। इस अवसर पर उन्होंने झालावाड़ आईटीआई को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए अन्य आईटीआई को भी इसी प्रकार कार्य कर शिक्षा के स्तर में निरंतर सुधार लाने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सचिव ने संस्थान प्रबंधन समितियों को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े आईटीआई अधिकारियों को अपने-अपने संस्थानों में संचालित ट्रेड्स तथा प्रस्तावित नए ट्रेड्स की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही, सभी आईटीआई के दीक्षांत समारोह की जानकारी साझा कर उसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी प्रसारित करने के निर्देश दिए।

बैठक में संदीप वर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग, भवानी सिंह देथा, प्रमुख शासन सचिव महिला एवं बाल विकास, पी. रमेश शासन सचिव श्रम विभाग, श्रीमती टीना सोनी शासन सचिव वित्त (व्यय) विभाग, रिशव मंडल, आयुक्त कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं प्रदेश के विभिन्न जिलों के आईटीआई प्राचार्य एवं अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

स्थायी लोक अदालत का बड़ा आदेश

विद्युत निगम 35 माह से अधिक पुराने बकाया की वसूली नहीं कर सकेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। स्थायी लोक अदालत दौसा ने एक अहम फैसले में जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को 35 माह से अधिक पुराने बकाया बिलों की वसूली पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं। यह आदेश मैसर्स शारदा इंडस्ट्रीज एवं अन्य बनाम जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड प्रकरण में पारित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव संतोष अग्रवाल ने बताया कि स्थायी लोक अदालत में पूर्णकालिक अध्यक्ष आर.सी. गुप्ता तथा सदस्य अशोक कुमार शर्मा और सुरेश कुमार गोयल द्वारा मामले की सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान सहायक अभियंता, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, बांदीकुई ग्रामीण द्वारा मैसर्स शारदा इंडस्ट्रीज आर.ओ. बोटलिंग के विरुद्ध प्रस्तुत बकाया बिलजिसमें ट्रांसफार्मर लॉस, पावर फैक्टर सरचार्ज, ट्रांसफार्मर किराया एवं सीटी-पीटी रेंट के रूप में कुल 2 लाख 36 हजार 193 रुपये की मांग की गई थीको वसूली योग्य नहीं माना गया। स्थायी लोक अदालत ने पीड़ित पक्ष का प्रार्थना पत्र स्वीकार करते हुए आदेश दिया कि विद्युत वितरण निगम केवल पिछले दो वर्षों की अवधि के बिलों की राशि ही वसूल कर सकता है। इससे अधिक पुराने किसी भी बिल की वसूली नहीं की जा सकती।

सचिव संतोष अग्रवाल ने आमजन से अपील की कि राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर द्वारा लोक उपयोगिता से जुड़ी समस्याओं के त्वरित और सुलभ समाधान के लिए फरवरी माह के प्रथम सप्ताह तक एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत बिजली, पानी, परिवहन, बैंकिंग एवं बीमा, नगर निकाय, स्वास्थ्य सेवाएं, शैक्षिक सेवाएं, आवास एवं भू-सम्पदा सेवाएं, एलपीजी सेवा सहित अन्य जनोपयोगी सेवाओं से संबंधित शिकायतें निर्धारित प्रारूप या साधारण हस्तलिखित आवेदन के माध्यम से राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के समर्पित मोबाइल नंबर 9119365734 पर सीधे व्हाट्सएप के माध्यम से भेजी जा सकती हैं।

उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों पर प्राधिकरण द्वारा शिकायतकर्ता से संपर्क कर स्थायी लोक अदालत दौसा में निःशुल्क पैरवी के लिए लीगल एड डिफेंस काउंसिल की नियुक्ति भी की जाएगी।

सड़क हादसे में दो भाइयों की मौत

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले में बृहस्पतिवार रात सड़क हादसे में दो भाइयों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार पीसांगन थानाक्षेत्र के लेसवा गांव में बजरी से भरा डंपर असंतुलित होकर मोटरसाइकिल पर गिर गया। इस हादसे में गोविंदगढ़ के रहने वाले अभिषेक सेन (25) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके छोटे भाई आशीष सेन (23) गंभीर रूप से घायल हो गए और देर रात अस्पताल में इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद डंपर ड्राइवर मौके से फरार हो गया जबकि उसके मालिक को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस ने यह भी बताया कि डंपर को जब्त कर लिया गया है।

सेना दिवस समारोह से पहले जयपुर में परेड कमांडर की परेड

जयपुर। यहां महल रोड पर शुक्रवार को परेड कमांडर की परेड हुई जिसमें भारतीय सेना की विभिन्न बटालियन, टैंक, मिसाइल, ड्रोन और आधुनिक हथियार प्रणालियों का मार्च शामिल था। यहां 15 जनवरी को होने वाले सेना दिवस समारोह से पहले यह कार्यक्रम एक जनवरी से शुरू हुए कई अभ्यास के तहत आयोजित किया गया। इन कार्यक्रमों के तहत अब 11 जनवरी को चीफ ऑफ स्टाफ की परेड, 13 जनवरी को आर्मी कमांडर की परेड और 14 जनवरी को सेना दिवस परेड का मुख्य कार्यक्रम होगा।

पहली बार यह परेड सैन्य क्षेत्र के बाहर आयोजित की जा रही हैं। शहर में कड़ाके की सर्दी के बावजूद बड़ी संख्या में लोग इसे देखने आए। कार्यक्रम की शुरुआत आर्मी बैंड के प्रदर्शन से हुई, जिसके बाद वीरता पुरस्कार विजेता अधिकारियों ने परेड कमांडर को औपचारिक सलामी दी। विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित सैन्य अधिकारियों ने परेड की अगुवाई की। उनके पीछे आर्मी बैंड और घुड़सवार इकाई मार्च कर रही थी। सेना के विशेष श्वान दस्ते और 'रोबोटिक डॉग' ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

उत्तर प्रदेश रक्षा विनिर्माण का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरने का शुक्रवार को दावा करते हुए कहा कि राज्य में छह स्थानों पर 'डिफेंस कॉरिडोर' पर पहले ही 34,000 करोड़ रुपए से ज़्यादा का निवेश किया जा चुका है, जो हथियारों और गोला-बारूद उत्पादन में भारत की आत्मनिर्भरता की ओर एक निर्णायक बदलाव है।

वह यहां सरोजनी नगर इलाके में अशोक लेलैंड के अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माण संयंत्र के उद्घाटन के अवसर पर एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी के साथ हिंदुजा परिवार के सदस्य भी मौजूद थे।

विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए, सिंह ने कहा कि भारत अब हथियारों, मिसाइलों या रक्षा उपकरणों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर नहीं है, क्योंकि अब इनका निर्माण घरेलू स्तर पर किया जा रहा है, जिसमें उत्तर प्रदेश भी शामिल है। सिंह ने कहा कि यह देखकर अच्छा लगता है कि जो उत्तर प्रदेश किसी जमाने में बीमारू राज्य कहा जाता था तथा जिसकी पहचान को गुंडाराज और अपराध से जोड़कर देखा जाता था, आज उसी राज्य में आए दिन उद्योग स्थापित हो रहे हैं।

सिंह ने कहा कि लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, अलीगढ़ और चित्रकूट में फैला डिफेंस कॉरिडोर लड़ाकू विमानों से संबंधित हथियार, गोला-बारूद और उपकरण बना रहा है और वहां बड़ी कंपनियां विनिर्माण इकाइयां लगा रही हैं। सिंह ने कहा, मुझे बताया गया है कि इन डिफेंस कॉरिडोर नोड्स में लगभग 34,000 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है।

लखनऊ से सांसद सिंह ने उत्तर प्रदेश एयरोस्पेस और रक्षा इकाई और रोजगार प्रोत्साहन नीति का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य को बड़े पैमाने पर रक्षा उत्पादन के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस नीति का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करना और लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है ताकि उन्हें पलायन करने के लिए मजबूर न होना पड़े।

'आई-पैक' के कार्यालय पर ईडी की छापेमारी का मकसद तृणमूल की रणनीति को चुराना : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस की रणनीति को 'चोरी'करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के राजनीतिक हथियार के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि ईडी द्वारा 'इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी' (आई-पैक) के कार्यालय और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर बृहस्पतिवार को छापेमारी के दौरान उनका वहां पहुंचना गलत नहीं था।

ममता बनर्जी ने दस किलोमीटर लंबे विशाल विरोध मार्च के बाद यहां आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने छापेमारी स्थल पर विशुद्ध रूप से तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष के रूप में हस्तक्षेप किया था, न कि मुख्यमंत्री के रूप में। उन्होंने छापेमारी स्थल पर अप्रत्याशित रूप से पहुंचने के संदर्भ में कहा, ''मैंने कल जो कुछ भी किया, वह तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष के तौर पर किया। मैंने कुछ भी गैरकानूनी नहीं किया है।' 'आई-पैक' तृणमूल कांग्रेस को राजनीतिक परामर्श सेवा मुहैया कराती है। बनर्जी ने आरोप लगाया कि एजेंसी सुबह-सुबह परिसर में दाखिल हुई और जब तक वह पहुंचीं, तब तक ''बहुत सारा सामान पहले ही ले जाया जा चुका था''। तृणमूल प्रमुख ने कहा, ''आप सुबह छह बजे परिसर में दाखिल हुए। मैं पूर्वाह्न करीब 11.45 बजे वहां पहुंची। तब तक कई चीजें चोरी हो चुकी होंगी।'' उन्होंने ईडी पर 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले उनकी पार्टी के रणनीतिक दस्तावेजों तक पहुंचने की कोशिश करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने केंद्र के साथ अपने टकराव को बढ़ाते हुए ने दावा किया कि ''सभी एजेंसियों पर कब्जा कर लिया गया है।'' उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कई राज्यों की सत्ता पर जबरन कब्जा करने का आरोप लगाया।

आई-पैक विवाद : ममता बनर्जी की शिकायत पर पुलिस ने ईडी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी ने शुक्रवार को राजनीतिक परामर्श कंपनी आई-पैक के कार्यालय और उसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर ईडी की छापेमारी के संबंध में संघीय एजेंसी के खिलाफ दो शिकायत दर्ज कराई है।

एक अधिकारी ने बताया कि शिकायतों के आधार पर कोलकाता और बिधाननगर पुलिस ने औपचारिक प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तृणमूल कांग्रेस ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के साथ-साथ ईडी के खिलाफ कलकत्ता उच्च न्यायालय का भी दरवाजा खटखटाया है। इससे ईडी और राज्य सरकार के बीच टकराव और बढ़ गया है, क्योंकि कोलकाता में मुख्यमंत्री के तलाशी अभियान स्थलों पर पहुंचकर कथित तौर पर 'अहम दस्तावेज' और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण अपने साथ ले जाने के नाटकीय दृश्य देखने को मिले थे।

ईडी की छापेमारी के दौरान ममता का आचरण अशोभनीय : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से कोलकाता में राजनीतिक परामर्श कंपनी आई-पैक के कार्यालय में की गई छापेमारी के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का आचरण उनके पद के लिए अशोभनीय था। शर्मा ने कहा कि ममता बनर्जी के कृत्यों की वजह से लोगों का उनके प्रति सम्मान कम होगा। आई-पैक के प्रमुख प्रतीक जैन के आवास और कंपनी के कार्यालय में बृहस्पतिवार को ईडी की छापेमारी के दौरान तब नाटकीय स्थिति पैदा हो गई जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अचानक मौके पर पहुंच गईं और आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसी विधानसभा चुनावों से पहले तृणमूल कांग्रेस के संवेदनशील दस्तावेजों को जब्त करने की कोशिश कर रही थी। ईडी के मुताबिक वह अपने साथ दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सहित 'अहम सबूत' भी ले गईं।

गिरते जनाधार के बीच बेवजह एसआईआर का मुद्दा उठा रहा विपक्ष : चिराग पासवान

नोएडा (उप्र)/भाषा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शुक्रवार को कहा कि विपक्ष अपने गिरते जनाधार के बीच बेवजह एसआईआर का मुद्दा उठा रहा है और जनता में विपक्षी दलों के खिलाफ काफी आक्रोश है। पासवान आज ग्रेटर नोएडा के एक्सपोर्ट मार्ट में आयोजित तीन दिवसीय खाद्य एवं पेय प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि गौतम बुद्ध नगर आए थे।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि देश में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पहली बार नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी यह कवायद हुई है और इस बार सिर्फ ऑनलाइन व्यवस्था हुई है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष अपना जनाधार गिरने के बीच बेवजह एसआईआर को मुद्दा बना रहा है और जनता में विपक्षी दलों के खिलाफ काफी आक्रोश है। विपक्ष के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर गलत शब्दों का इस्तेमाल किया जिसकी वजह से जनता ने उन्हें सबक सिखाया।

धमकियों से नहीं डरूंगा, प. बंगाल की जनता के लिए काम करता रहूंगा : बोस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस ने शुक्रवार को कहा कि वह राज्य की जनता के लिए काम करते रहेंगे और कोई भी ताकत उन्हें ऐसा करने से नहीं रोक सकती। बृहस्पतिवार रात ''जान से मारने की धमकी'' भरा ईमेल मिलने का उल्लेख करते हुए बोस ने कहा कि यह बंगाल की जनता के लिए मेरी लड़ाई को रोकने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले भी ऐसी धमकियां मिल चुकी हैं।

बोस ने कहा कि वह बिना सुरक्षा गार्डों के भी कोलकाता की सड़कों पर उतरेंगे और बंगाल की जनता उनकी रक्षा करेगी। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, इस तरह की धमकियां मुझे बंगाल की जनता के लिए काम करने से नहीं रोक सकतीं। बंगाल मेरा घर है, मैं बंगाल का बेटा हूं। इस धरती के लिए जान देने से मुझे डर नहीं लगता। उन्होंने कहा, यह पहली बार नहीं है जब मुझे जान से मारने की धमकी मिली है। पिछले साल मुर्शिदाबाद दौरे के दौरान किसी ने मुझे एक देसी बम थमा दिया था। मेरे सहायक ने तुरंत उसे लेकर पानी से भरे टब में डाल दिया। वह बिल्कुल बाल बाल बचने वाली स्थिति थी। इसी महीने अपना 75वां जन्मदिन मनाने वाले राज्यपाल ने कहा कि यह धमकी संभवतः राज्य की जनता की पीड़ा से जुड़े मुद्दों पर उनके मुखर रुख से जुड़ी हो सकती है।

अधिकारियों ने बताया कि बोस को बृहस्पतिवार रात जान से मारने की धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ, जिसके बाद उनकी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि ईमेल भेजने वाले ने राज्यपाल को विस्फोट से मार डालने की धमकी दी थी और उसने ईमेल में अपना मोबाइल नंबर भी लिखा था। उन्होंने बताया कि बोस को 'जेड-प्लस' श्रेणी की सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है, अब लगभग 60-70 केंद्रीय बल उनकी सुरक्षा के लिए तैनात किए गए हैं।

लोक भवन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कोलकाता के पास सॉल्ट लेक इलाके से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

अरबों की काली-कमाई में 'सत्ताधारी की है भागीदारी' : यादव

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्रवार को एक बार फिर कोडीन कफ सिरप के अवैध कारोबार का मामला उठाते हुए आरोप लगाया कि अरबों की इस काली-कमाई में 'सत्ताधारी की भागीदारी' है, इसीलिए भाजपा राज में जनता अभागी मारी-मारी फिर रही है। यादव ने 'एक्स' पर 2.24 करोड़ बोतलें शुभम (शुभम् जायसवाल, अवैध कारोबार का आरोपी) ने बांग्लादेश भेजी शीर्षक वाली खबर का क्लिप साझा करते लिखा,जिसे पहले लोग स्थानीय अपराध समझ रहे थे, जब पहली परत खुली तो वह राज्यव्यापी निकला, फिर एक और परत खुली तो राष्ट्रव्यापी निकला और अब एशिया स्तरीय अपराध के रूप में सामने आ रहा है। यादव ने कहा उत्तर प्रदेश में माफ़िया राज ख़त्म नहीं हुआ है बल्कि प्रमोशन पा गया है। उत्तर प्रदेश में भाजपा का 'महा-माफ़िया राज' है, जो लोगों के घरों में 'बोतल-बंद' होकर पहुंच रहा है और जानलेवा साबित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, इस अरबों की काली-कमाई में 'सत्ताधारी की भागीदारी' है, इसीलिए भाजपा राज में मारी-मारी जनता अभागी फिर रही है।

उत्तर प्रदेश के मंत्री दयाशंकर सिंह समेत 14 लोग 2015 के बलिया मामले में आरोपमुक्त

बलिया (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के बलिया की एक अदालत ने राज्य सरकार द्वारा मामला वापस लेने के फैसले को स्वीकार करते हुए प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह और 13 अन्य आरोपियों को 10 साल पुराने एक मामले में आरोपमुक्त कर दिया है। सिंह के खिलाफ यह मामला निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने के आरोप में था।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक, यह मामला नौ सितंबर 2015 को बलिया सिटी कोतवाली में उप निरीक्षक सत्येंद्र राय की शिकायत पर भारतीय दंड संहिता की धारा 188 (सरकारी निर्देशों की अनदेखी) के तहत सिंह, नागेंद्र पांडे और 17 नामजद लोगों के अलावा 100 से 150 अनजान लोगों के खिलाफ दर्ज किया गया था। आरोपियों के खिलाफ शहर के मालगोदाम रोड पर धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा के बावजूद सड़क जाम करने, यातायात को अवरुद्ध करने और आवाजाही में रुकावट डालने का आरोप था। अभियोजन अधिकारी वीरपाल सिंह ने शुक्रवार को बताया कि राज्यपाल की तरफ से वाद वापस लेने के लिए न्यायालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान की गई थी, जिसके परिप्रेक्ष्य में न्यायालय में मामले को वापस लेने के लिए प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया। मुकदमे की सुनवाई करते हुए विशेष न्यायिक दंडाधिकारी अनिल कुमार मिश्रा की अदालत ने बुधवार को यह फैसला दिया।

जमीन के बदले नौकरी मामले में अब कानून की गिरफ्त में लालू : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत द्वारा जमीन के बदले नौकरी घोटाले में लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश जारी किए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख पर निशाना साधते हुए कहा कि विभिन्न घोटालों में संलिप्तता के लिए वह (लालू) अब कानून की गिरफ्त में हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता रवि शंकर प्रसाद ने यहां पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि अदालतों ने लालू को करोड़ों रुपए के चारा घोटाले से जुड़े विभिन्न मामलों में कुल 32.5 साल की कैद की सजा सुनाई है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, बिटुमेन' घोटाला, जमीन के बदले नौकरी घोटाला, आप (लालू) और कितने घोटाले करेंगे? लालू बाबू, आपको कहीं तो रुकना चाहिए था।

पटना साहिब से लोकसभा सदस्य प्रसाद ने कहा, एक कहावत है कि कानून आपको पकड़ ही लेगा। ठीक यही अब हो रहा है।

जेपी गंगापथ पार्क को लोगों की सुरक्षा व सुविधा ध्यान में रखकर विकसित करें : नीतीश कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को जेपी गंगापथ पर कराए जा रहे पौधारोपण और सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण किया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि यह पार्क गंगा नदी के किनारे स्थित है, इसलिए लोगों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए इसका विकास सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान में बताया गया कि जेपी गंगापथ पर पार्क विकसित होने से हरियाली बढ़ेगी और यहां आने वाले लोग अपने परिवार के साथ कुछ समय व्यतीत कर सकेंगे। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को विकसित किए जा रहे पार्क के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

नीतीश कुमार ने कहा कि पौधारोपण होने से यह क्षेत्र हरा-भरा दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि जेपी गंगापथ एक अद्भुत परियोजना है, जिसका सौंदर्यीकरण बेहतर ढंग से कराया जा रहा है। आने वाले समय में यह क्षेत्र लोगों के आकर्षण का केंद्र बनेगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि पथ पर लोगों के लिए सड़क सुरक्षा और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित किया जाए।

निरीक्षण के दौरान राज्यसभा सदस्य तथा जद (यू) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह, पटना प्रमंडल के आयुक्त अनिमेष पराशर, पटना के जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम तथा अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

सिंधू मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में, सात्विक और चिराग हारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुआलालंपुर/भाषा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने शुक्रवार को यहां जापान की अकाने यामागुची के चोट के कारण क्वार्टरफाइनल से रिटायर होने के बाद मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली जबकि पुरुष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी क्वार्टर फाइनल हार गए ।

सिंधू ने पहला गेम 21-11 से जीत लिया था लेकिन इसके बाद तीन बार की विश्व चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त यामागुची ने मैच से हटने का फैसला किया। वह घुटने में ब्रेस पहने हुए थीं। इससे विश्व रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज सिंधू का यामागुची के खिलाफ जीत का रिकॉर्ड 15-12 हो गया। चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद सिंधू अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही हैं। अब सेमीफाइनल में उनका सामना चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झीयी से होगा जिन्होंने इंडोनेशिया की छठी वरीयता प्राप्त पुत्री कुसुमा वरदानी को 21 . 17, 21 . 18 से हराया । वहीं दो बार विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक विजेता भारत के सात्विक और चिराग पुरुष युगल में इंडोनेशिया के फजर अल्फेन और मुहम्मद फिकरी की निचली रैंकिंग वाली जोड़ी से 10 . 21, 21 . 23 से हार गए । पिछले साल हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स में फाइनल तक पहुंचे तीसरी वरीयता प्राप्त सात्विक और चिराग पहले गेम में ही दबाव में नजर आये । इंडोनेशिया की जोड़ी ने लगातार पांच अंक बनाये जिसके बाद भारतीय जोड़ी ने खाता खोला । इंडोनेशियाई जोड़ी ने जल्दी ही 12 . 4 से बढत बना ली और फिर आखिरी पांच अंक लेकर पहला गेम जीत लिया । दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने वापसी की कोशिश की और दो बार बढत भी बनाई । स्कोर एक समय 19 . 19 से बराबरी पर था लेकिन इंडोनेशियाई जोड़ी ने आखिरी दो अंक लेकर जीत दर्ज की ।

'ए' टीमों के दौरों को आसान बनाने की जरूरत : सैकिया

नई दिल्ली/भाषा। बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारियों ने बेंगलूरु स्थित उत्कृष्टता केंद्र के कामकाज का जायजा लिया और भारत ए तथा भारत अंडर 19 टीमों के दौरों को भविष्य में आसान बनाने पर भी बात की । बोर्ड सचिव देवाजीत सैकिया ने यह जानकारी दी । उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) अप्रैल से शुरू हो गया है लेकिन कई प्रमुख तकनीकी पद रिक्त पड़े हैं । मुंबई में हुई बैठक में बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास, उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और सीओई क्रिकेट प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण मौजूद थे। सैकिया ने कहा ,'' हमने सीओई में रिक्त पदों पर बात की और जल्दी ही नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने का फैसला लिया । दुनिया भर में तकनीकी स्टाफ की कमी है लेकिन हम जल्दी से जल्दी इन पदों पर नियुक्तियां करेंगे ।''

वनडे क्रिकेट में शानदार इतिहास वाली दो वैश्विक प्रतियोगिताएं है : विल यंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वडोदरा/भाषा। वनडे क्रिकेट की प्रासंगिकता और संदर्भ को लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं लेकिन न्यूजीलैंड के बल्लेबाज विल यंग ने शुक्रवार को कहा कि यह प्रारूप आज भी बेहद अहम है क्योंकि इससे शानदार इतिहास वाले विश्व स्तर के दो टूर्नामेंट जुड़े हुए हैं।

न्यूजीलैंड की टीम तीन वनडे और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की शृंखलाओं के लिए भारत के दौरे पर है। इस दौरे का आगाज रविवार को यहां पहले वनडे से होगा।

अगले महीने टी20 विश्व कप और फिर आईपीएल के आयोजन के कारण वनडे शृंखला का महत्व थोड़ा कम हो गया है लेकिन यंग इसके 'बड़े परिपेक्ष्य' को देख रहे हैं।

उन्होंने बड़ौदा क्रिकेट संघ के मैदान में टीम के तीन घंटे के शुरुआती अभ्यास सत्र के बाद कहा, जब टी20 विश्व कप बिल्कुल सामने हो, तो इस शृंखला का महत्व थोड़ा कम होना लाजमी है लेकिन जब आप अपने देश के लिए खेलते हैं, तो दो चीजे जुनून और प्रेरणा हमेशा होनी चाहिए। यह टेस्ट और टी20 से अलग प्रारूप है और आजकल शायद हम इसे थोड़ा कम खेलते हैं।'' उन्होंने कहा, '' यह हालांकि याद रखना जरूरी है कि अब भी आईसीसी के दो बड़े टूर्नामेंट चैंपियंस ट्रॉफी और विश्व कप है जो इसी प्रारूप में खेले जाते हैं और इनका इतने लंबे समय में बेहद गौरवशाली इतिहास रहा है।'' यंग के अहम योगदान से न्यूजीलैंड ने 2024-25 में भारत दौरे पर टेस्ट शृंखला में में 3-0 की ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। उस शृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे यंग ने कहा कि टेस्ट में वह उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन था। उन्होंने कहा, '' हां, निश्चित रूप से मैं उस प्रदर्शन को शीर्ष पर रखूंगा।'' यंग ने यह भी साफ किया कि चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत से मिली हार का बदला लेने जैसी कोई सोच टीम के दिमाग में नहीं है। उन्होंने कहा, ''वह पूरी तरह से अलग चुनौती थी। वह चैंपियंस ट्रॉफी थी और दोनों टीमें भी अलग थीं, इसलिए वह बात अब पीछे छूट चुकी है। हमारे दिमाग में वह बिल्कुल नहीं है। हम एकदिवसीय क्रिकेट की इस तीन मैचों की द्विपक्षीय शृंखला को लेकर उत्साहित हैं और जैसे मैच शुरू होगा, हमारा पूरा ध्यान उसी पर होगा।''

नाकामियों से पता चलता है कि आप कहां गलती कर रहे हैं : जरीन

ग्रेटर नोएडा/भाषा। पिछला साल निकहत जरीन के लिए आत्ममंथन का रहा जिसने उन्हें उम्मीदों पर काबू रखना सिखाया और साथ ही ओलंपिक चैंपियन बनने के अपने सपने को पूरा करने का उनका इरादा भी मज़बूत किया। लगातार दो विश्व खिताब, राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण और एशियाई खेलों में कांस्य के बाद पेरिस ओलंपिक 2024 में निकहत से काफी उम्मीदें थी । लेकिन वह अंतिम 16 में वु यू से हारकर खाली हाथ लौटीं । निकहत ने यहां चल रही राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के दौरान पीटीआई से कहा ,'' खेलों में उतार चढाव आते हैं । आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि खिलाड़ी हर समय सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन ही करे लेकिन उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए ।'' उन्होंने कहा ,'' नाकामियां खेल का हिस्सा है और जीवन का भी । इसी से आपको पता चलता है कि आप कहां गलती पर हैं और आप उस पर काम करके मजबूती से वापसी करते हैं ।''

सुविचार

हमेशा याद रखना अगर एक दरवाज़ा बंद होता है तो परमात्मा दस दरवाज़े और खोल देता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हल्का बस्ता, खुशहाल बचपन

केरल सरकार स्कूली बस्ते का बोझ कम करने और 'बैकबेंचर्स' की धारणा को बदलने के लिए जो पहल कर रही है, वह अनूठी है। इसकी बहुत जरूरत है। विद्यार्थियों के हित के लिए ऐसे कदम उठाने के बारे में कम ही सरकारें सोचती हैं। भारत की शिक्षा पद्धति और स्कूलों के माहौल में सुधार लाने के लिए बड़े स्तर पर कोशिशें होनी चाहिएं। इन दोनों बिंदुओं को बच्चों के नजरिए से देखना होगा। क्या वजह है कि कई बच्चे स्कूल जाते समय रोते हैं? वे छुट्टी की घंटी बजते ही ऐसे क्यों भागते हैं, जैसे किसी कैदखाने से निकलकर भागे हों? बच्चे अपने खिलौनों से बहुत प्यार करते हैं। वे उन्हें संभालकर रखते हैं। वे स्कूली किताबों से क्यों दूर रहना चाहते हैं? जवाब है- पढ़ाई अरुचिकर है। अगर स्कूली किताबें शिक्षक पढ़ेंगे तो वे उन्हें बहुत आसान लगेंगी, क्योंकि उनका बौद्धिक स्तर ऊंचा होता है। जब बच्चे उन्हें पढ़ेंगे तो वे उन्हें मुश्किल लगेंगी, क्योंकि लेखकों ने बच्चों की तरह सोचा ही नहीं था! अक्सर लोग सोशल मीडिया पर अपने स्कूली दिनों के अनुभव साझा करते हैं। वे अपने स्कूल से जुड़ीं मधुर यादों को संजोकर रखते हैं। उनसे पूछा जाए, 'आपने जो किताबें पढ़ीं, रात-रातभर जागकर अगले दिन परीक्षाएं दीं, क्या एक बार फिर उन्हीं घटनाओं का सामना करना चाहेंगे?' तो ज्यादातर लोग तौबा कर लेंगे। स्कूलों का माहौल ऐसा होना चाहिए कि बच्चा रोने-धोने के बजाय बहुत खुश होकर वहां जाना चाहे। उसे स्कूली किताबें रुचिकर लगें। उसका बचपन खुशहाल होना चाहिए। भारत की आजादी के बाद सरकार को इन बातों की ओर तुरंत ध्यान देना चाहिए था।

फ़िनलैंड, डेनमार्क, नीदरलैंड, जापान और जर्मनी जैसे देशों ने प्रारंभिक शिक्षा में बहुत सुधार किए हैं। वहां बच्चों पर अकादमिक दबाव कम डाला जाता है। उन्हें आत्मविश्वासी और अनुशासित बनाने पर जोर दिया जाता है। नीदरलैंड में हर बच्चे की सीखने की गति का सम्मान किया जाता है। जापान में सामाजिक व्यवहार पर खास ध्यान दिया जाता है। वहां बच्चों को शारीरिक दंड देने, सबके सामने अपमानित करने की घटनाएं नहीं होतीं, जबकि हमारे देश में इन घटनाओं के वीडियो वायरल होते रहते हैं। हाल के वर्षों में कई शिक्षकों पर अपने छात्रों को बेदर्दी से पीटने, घायल करने और जान लेने तक के आरोप लगे हैं। कुछ शिक्षक अपने घर-परिवार का गुस्सा स्कूल में बच्चों पर उतारते हैं। वे किसी बच्चे को सबके सामने खरी-खोटी सुनाते हैं या उसकी पिटाई कर देते हैं। कुछ समय बाद वे तो इसे भूल जाते हैं, लेकिन बच्चे ऐसी घटनाओं को जीवनभर नहीं भूल पाते। कुछ बच्चों का स्वभाव बहुत संवेदनशील होता है। वे अपमान बर्दाश्त न कर पाने के कारण गलत कदम उठा लेते हैं। किसी स्कूल में बच्चे लगातार ऐसे माहौल को झेलेंगे तो उनका कितना बौद्धिक और नैतिक विकास होगा? कई शिक्षकों को एक और गलतफहमी है। वे सोचते हैं कि बच्चों के साथ जितनी ज्यादा सख्ती बरतेंगे, वे उतने ही अनुशासित होंगे। ऐसा सोचना बिल्कुल ही बेबुनियाद है। छड़ी के जोर से जो अनुशासन आता है, वह क्षणिक होता है। क्या वजह है कि जापान स्वच्छता, ईमानदारी, आपसी सहयोग और अनुशासन के मामले में बहुत बेहतर स्थिति में है, जबकि वहां के स्कूलों में 'ज्यादा सख्ती' नहीं है? अनुशासन सिखाया जाता है, थोपा नहीं जाता। स्कूलों में अच्छी आदतें सिखाना पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा होना चाहिए। सिर्फ किताबें रटने से न तो बच्चे का भविष्य उज्ज्वल होता है, न देश को कोई फायदा मिलता है।

ट्वीटर टॉक

वसुधैव कुटुम्बकम् की कालजयी भावना को आत्मसात कर विश्व पटल पर भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक पहचान को गौरव के साथ स्थापित करने वाले समस्त प्रवासी भारतीय भाई-बहनों को प्रवासी भारतीय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

-ओम बिरला

विकसित राजस्थान 2047 के स्वर्णिम स्वप्न को साकार करने की दिशा में आज मुख्यमंत्री कार्यालय में एक ऐतिहासिक पहल हुई, जहां चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व परामर्श किया गया।

-भजनलाल शर्मा

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की स्वदेश वापसी के प्रतीक इस दिवस पर दुनिया भर में बसे सभी भारतीयों का अभिनंदन। आपने अपनी प्रतिभा, कर्मठता और संस्कार से सात समंदर पार भी भारत का गौरव बढ़ाया है। हमें आप पर गर्व है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

वास्तविक सम्राट

सम्राट अशोक एक दिन अपने साम्राज्य का निरीक्षण करते हुए एक बौद्ध भिक्षु से मिले। भिक्षु के हाथ में केवल एक मिट्टी का कटोरा था। अशोक ने पूछा 'तुम्हारे पास इतना ही है?' भिक्षु मुस्कराया 'महाराज, इससे अधिक मेरी आवश्यकता नहीं। यह उत्तर अशोक को भीतर तक छू गया। उनके पास असीम सत्ता, सोना और सेनाएं थीं, फिर भी मन अशांत था; जबकि सामने खड़ा व्यक्ति अल्प साधनों में पूर्ण शांत था। उसी क्षण अशोक को बोध हुआ कि विजय बाहरी नहीं, भीतर की होनी चाहिए। उस दिन के बाद उन्होंने शासन का अर्थ बदलादमन नहीं, सेवा; भय नहीं, विश्वास; और अपने इस विचार को जीवन में उतारा, जिसके पास सब कुछ होते हुए भी शांति नहीं, वह निर्धन है; और जो कम में संतुष्ट है, वही वास्तव में सम्राट है।

सामयिक

जांच के घेरे में राजनीति, राजनीति के घेरे में जांच

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

जब सत्ता के गलियारों में कानून की दस्तक पड़ती है, तब केवल फाइलें नहीं हिलतीं, पूरे लोकतांत्रिक ढांचे की परीक्षा शुरू हो जाती है। 8 जनवरी 2026 की सुबह कोलकाता ने ठीक ऐसा ही दृश्य देखा, जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की एक सामान्य प्रतीत होने वाली छापेमारी अचानक राजनीति, संविधान और संघीय संतुलन के टकराव का प्रतीक बन गई। कोयला तस्करी से जुड़े मनी लॉन्डरिंग मामले की जांच में जुटी ईडी की टीम जैसे ही विभिन्न ठिकानों पर पहुंची, वैसे ही राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्वयं मौके पर उपस्थित हुईं और कुछ दस्तावेजों व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बाहर ले गईं। मुख्यमंत्री ने इसे पार्टी की गोपनीयता बचाने का कदम बताया, जबकि ईडी ने इसे जांच में बाधा और सबूत हटाने का आरोप लगाया। यही क्षण जांच की वैध सीमाओं से आगे बढ़कर राजनीतिक संघर्ष, संवैधानिक अधिकारों और चुनावी निष्पक्षता पर छिड़ी एक व्यापक राष्ट्रीय बहस का केंद्र बन गया।

इस कार्रवाई की परिधि केवल कोलकाता तक सीमित नहीं रही, क्योंकि प्रवर्तन निदेशालय ने एक साथ शहर में छह और दिल्ली में चार ठिकानों पर छापेमारी की। एजेंसी का कहना है कि यह जांच कोयला तस्करी सिंडिकेट से जुड़े अवैध धन के हवाला नेटवर्क पर केंद्रित है और पूर्व मामलों की तार्किक कड़ी का हिस्सा है। शुरुआती चरण में जांच शांतिपूर्ण रूप से आगे बढ़ रही थी, किंतु मुख्यमंत्री की उपस्थिति के बाद चुनावी रणनीति, डिजिटल डेटा और पार्टी गोपनीयता की सुरक्षा का मुद्दा केंद्र में आ गया। यहीं से कानूनी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक संवेदनशीलता के बीच तनाव स्पष्ट रूप से उभरने लगा।

मुख्यमंत्री ने दक्षिण कोलकाता स्थित अपने आवास और साल्ट लेक के कार्यालय, दोनों स्थानों पर पहुंचकर पूरे घटनाक्रम पर प्रत्यक्ष नजर रखी। उन्होंने चुनाव से ठीक पहले की गई इस कार्रवाई को राजनीतिक दबाव से प्रेरित बताते हुए केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि चुनावी तैयारियों से जुड़े गोपनीय दस्तावेजों और रणनीतिक सूचनाओं की जब्ती लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। इसी चिंता के आधार पर उन्होंने राज्यव्यापी विरोध का आह्वान किया और जनता से संस्थागत अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होने की अपील की। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) समर्थकों ने इस कदम को संवैधानिक अधिकारों और चुनावी गोपनीयता की रक्षा का साहसिक उदाहरण माना, जबकि विपक्षी दलों ने इसे जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप और संभावित सबूत नष्ट करने का प्रयास बताया।

प्रवर्तन निदेशालय ने मुख्यमंत्री और उनके सहयोगियों के हस्तक्षेप को जांच में बाधा करार देते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया है। एजेंसी का दावा है कि छापेमारी पूरी तरह कानूनी है, कोयला तस्करी से जुड़े मनी लॉन्डरिंग मामले में ठोस साक्ष्यों (हवाला लिंक सहित) पर आधारित है, और मुख्यमंत्री ने जबरन दस्तावेज व उपकरण हटाए। ईडी का दावा है कि कोयला तस्करी से प्राप्त अवैध धन हवाला के जरिए आई-पैक को टीएमसी के 2022 गोवा चुनाव अभियान के लिए दिया गया था। वहीं, आई-पैक ने भी अदालत में याचिका दायर कर छापों की वैधता और समय पर सवाल उठाए हैं। दोनों पक्षों की दलीलें संकेत देती हैं कि अब इस विवाद की दिशा न्यायिक व्याख्या और संवैधानिक संतुलन से ही तय होगी। यह प्रक्रिया आने वाले समय में संस्थागत स्वतंत्रता और जवाबदेही, दोनों की निर्णायक परीक्षा बनेगी।

यह घटनाक्रम राज्य की राजनीति में केंद्रीय जांच एजेंसियों की भूमिका को लेकर चली आ रही बहस को एक बार फिर तीव्र करता है। आई-पैक जैसी संस्थाएं चुनावी रणनीति, डिजिटल प्रबंधन और जनसंपर्क संचालन में अहम भूमिका निभाती हैं, जिनका सीधा प्रभाव मतदाता व्यवहार पर पड़ता है। ऐसे में चुनाव से कुछ महीने पहले की गई छापेमारी की टाइमिंग स्वायत्तता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा पर प्रश्न खड़े करती है। अन्य राज्यों में सामने आए समान प्रसंग भी यह स्पष्ट करते हैं कि संघीय ढांचे में पारदर्शिता और संवाद अनिवार्य है, ताकि लोकतंत्र की जड़ें हर परिस्थिति में मजबूत और विश्वसनीय बनी रहें।

दोनों पक्षों के तर्कों का संतुलित मूल्यांकन यह स्पष्ट करता है कि यदि प्रवर्तन निदेशालय की जांच ठोस और विश्वसनीय सबूतों पर आधारित है, तो उसे पूरी तरह वैध माना जाना चाहिए। अपराध और भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई लोकतांत्रिक शासन की अनिवार्य शर्त है। इसके साथ ही, चुनावी गोपनीयता और समय की संवेदनशीलता भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री का प्रत्यक्ष हस्तक्षेप टीएमसी के लिए राज्य अधिकारों और चुनावी गोपनीयता की रक्षा का प्रयास था, जबकि ईडी और विपक्ष ने इसे सबूतों को जबरन हटाने और जांच बाधित करने का गंभीर आरोप लगाया, जिसका अंतिम आकलन न्यायिक निर्णय से ही संभव होगा। यही प्रक्रिया संस्थागत भरोसे को सुदृढ़ करेगी और लोकतांत्रिक व्यवस्था को स्थिर दिशा प्रदान करेगी।

इस पूरे घटनाक्रम ने सोशल मीडिया और सार्वजनिक विमर्श में तीखी प्रतिक्रियाओं को जन्म दिया है। समर्थक इसे लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का साहसिक उदाहरण मानते हैं, जबकि आलोचक इसे जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप के रूप में देखते हैं। यह मतभेद स्वयं लोकतंत्र की जीवंतता का प्रमाण है, जहां सत्ता और संस्थाओं के निर्णयों पर सवाल उठाए जाते हैं। जनभागीदारी और जागरूक बहस किसी भी स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहचान होती है, जो इस प्रकरण में स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आई है और वर्तमान परिदृश्य में भविष्य के राजनीतिक आचरण को दिशा देने की क्षमता रखती है।

यह विवाद भारत के संघीय ढांचे और संस्थागत संतुलन को सुदृढ़ करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है। जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता और राज्यों के संवैधानिक अधिकारों के बीच स्पष्ट और सम्मानजनक सीमाओं का निर्धारण आवश्यक है।

टीएमसी ने विरोध को गोपनीयता और निष्पक्ष चुनाव की रक्षा बताया, जबकि विपक्षी दलों ने इसे जांच बाधित करने का प्रयास कहा। अब सभी की निगाहें अदालत के निर्णय पर टिकी हैं, जो न्याय, पारदर्शिता और भरोसे की पुनर्स्थापना करेगा। जनता का विश्वास, निष्पक्ष प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाएं ही इस पूरी प्रक्रिया की अंतिम कसौटी होंगी, जिससे लोकतांत्रिक भारत की आधारशिला आने वाले वर्षों के लिए और अधिक मजबूत तथा प्रासंगिक बनेगी। कोलकाता में टीएमसी द्वारा आयोजित प्रस्तावित पदयात्रा (जादवपुर से हाजरा) हालिया विवाद पर पार्टी का सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन है। टीएमसी इसे संस्थागत अधिकारों और चुनावी निष्पक्षता की रक्षा का प्रतीक मानती है और दावा करती है कि चुनाव से पहले की गई जांच लोकतंत्र और संवैधानिक संतुलन को प्रभावित कर सकती है। वहीं विपक्षी दल इसे जांच से ध्यान भटकाने और राजनीतिक नाटक के रूप में देख रहे हैं। इस कारण रैली को शांतिपूर्ण और अनुशासित बनाए रखना आवश्यक है, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया प्रभावित न हो। अंततः विवाद का अंतिम निर्णय अदालत और जांच एजेंसियों के माध्यम से ही स्पष्ट होगा।

विश्व हिंदी दिवस पर विशेष

विश्व संवाद की नई धुरी बनती हिन्दी

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

भारत की राष्ट्रभाषा हिन्दी की ताकत वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ रही है और हिन्दी की इस बढ़ती ताकत का सकारात्मक पक्ष यही है कि आज विश्वभर में करोड़ों लोग हिन्दी बोलते हैं और दुनियाभर के सैंकड़ों विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ाई जाती है। आधुनिकता की ओर तेजी से अग्रसर कुछ भारतीय भले ही आज अंग्रेजी बोलने में अपनी आन, बान और शान समझते हों किन्तु सच यही है कि हिन्दी ऐसी भाषा है, जो प्रत्येक भारतवासी को वैश्विक स्तर पर मान-सम्मान दिलाती है। सही मायनों में विश्व की प्राचीन, समृद्ध एवं सरल भाषा है भारत की राजभाषा हिन्दी, जो न केवल भारत में बल्कि अब दुनिया के अनेक देशों में बोली जाती है। दुनियाभर में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए वातावरण निर्मित करने तथा हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में प्रस्तुत करने के उद्देश्य से पिछले कई वर्षों से 10 जनवरी को विश्व हिन्दी दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस वास्तव में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी की महानता के प्रचार-प्रसार का एक सशक्त माध्यम है। पहली बार नागपुर में 10 जनवरी 1975 को विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया था, जिसमें 30 देशों के 122 प्रतिनिधि शामिल हुए थे। तत्पश्चात भारत के बाहर मॉरीशस, यूनाइटेड किंगडम, त्रिनिदाद, अमेरिका इत्यादि देशों में भी विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया।

विश्वभर की भाषाओं का इतिहास रखने वाली संस्था एथ्नोलॉग' के द्वारा जब हिन्दी को दुनियाभर में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा बताया जाता है तो सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। अगर हिन्दी बोलने वाले लोगों की संख्या की बात की जाए तो विश्वभर में पचहत्तर करोड़ से भी ज्यादा लोग हिन्दी बोलते हैं। इंटरनेट पर भी हिन्दी का चलन दिनों-दिन तेजी से बढ़ रहा है और दुनिया के सबसे बड़े सर्च इंजन गूगल द्वारा कुछ वर्षों पूर्व तक जहां अंग्रेजी सामग्री को ही महत्व दिया जाता था, वहीं अब गूगल द्वारा भारत में हिन्दी तथा कुछ क्षेत्रीय भाषाओं की सामग्री को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। माना जा रहा है कि देश में हिन्दी में इंटरनेट उपयोग करने वाले की संख्या अब अंग्रेजी में इसका उपयोग करने वालों से ज्यादा हो जाएगी। कुछ वर्ष पूर्व डिजिटल माध्यम में हिन्दी समाचार पढ़ने वालों की संख्या करीब साढ़े पांच करोड़ थी, जो अब बढ़कर चौदह करोड़ से ज्यादा हो जाने का अनुमान है।

इंटरनेट पर हिन्दी का जो दायरा कुछ समय पहले तक कुछ ब्लॉगों और हिन्दी की चंद वेबसाइटों तक ही सीमित था, अब हिन्दी अखबारों की वेबसाइटों ने करोड़ों नए हिन्दी पाठकों को अपने साथ जोड़कर हिन्दी को और समृद्ध तथा जन-जन की भाषा बनाने में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

तकनीकी रूप से हिन्दी को और ज्यादा उन्नत, समृद्ध तथा आसान बनाने के लिए अब कई सॉफ्टवेयर भी हिन्दी के लिए बन रहे हैं। यह हमारी राष्ट्रभाषा हिन्दी की ताकत ही कही जाएगी कि इसके इतने ज्यादा उपयोगकर्ताओं के कारण ही अब भारत में बहुत सारी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां हिन्दी का भी उपयोग करने लगी हैं। हिन्दी की बढ़ती ताकत को महसूस करते हुए भारत में ई-कॉमर्स साइटें भी ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक अपनी पहुंच बनाने के लिए हिन्दी में ही अपनी एप' लेकर आ रही हैं। हिन्दी इस समय देश की सबसे तेजी से बढ़ती भाषा है। अगर 2011 की जनगणना के आंकड़े देखें तो 2001 से 2011 के बीच हिन्दी बोलने वालों की संख्या में हमारे देश में करीब 10 करोड़ लोगों की बढ़ोतरी हुई। वर्ष 2001 में जहां 41.03 फीसदी लोगों ने हिन्दी को अपनी मातृभाषा बताया था, वहीं 2011 में ऐसे लोगों की संख्या करीब 42 करोड़ के साथ 43.63 फीसदी दर्ज की गई और जिस प्रकार हिन्दी का चलन लगातार बढ़ रहा है, माना जाना चाहिए कि उसके बाद के करीब एक दशक में हिन्दी बोलने वालों की संख्या में कई करोड़ लोगों की बढ़ोतरी अवश्य हुई होगी।

भारत लंबे समय तक अंग्रेजों का गुलाम रहा और उस दौरान हमारे यहां की भाषाओं पर भी अंग्रेजी दासता का बुरा प्रभाव पड़ा। इसी कारण राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिन्दी को 'जनमानस की भाषा' बताते हुए वर्ष 1918 में आयोजित 'हिन्दी साहित्य सम्मेलन' में इसे भारत की राष्ट्रभाषा बनाने को कहा था। सही मायने में तभी से हिन्दी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के प्रयास शुरू हो गए थे और गर्व का विषय यह है कि अब सैंकड़ों देशों में हिन्दी का प्रयोग धीरे-धीरे बढ़ रहा है। अगर भारतीय परिवेश में हिन्दी के प्रचलन को लेकर बात की जाए तो यह चिंता की बात है कि भारतीय समाज में बहुत से लोगों की मानसिकता ऐसी हो गई है कि हिन्दी बोलने वालों को वे पिछड़ा और अंग्रेजी में अपनी बात कहने वालों को आधुनिक का दर्जा देते हैं। हिन्दी का करीब 1.2 लाख शब्दों का समृद्ध भाषा कोष होने के बावजूद अधिकांश लोग हिन्दी लिखते और बोलते समय अंग्रेजी भाषा के शब्दों का दिल खोलकर इस्तेमाल करते हैं।

ऐसे में विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर यह अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि समाज के प्रत्येक वर्ग को हिन्दी भाषा के विकास, उसके व्यापक उपयोग के लाभ तथा उपेक्षा के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाए। हिन्दी केवल संवाद का माध्यम नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना, ऐतिहासिक विरासत और राष्ट्रीय आत्मसम्मान की संवाहक है। जब हम अपनी ही भाषा के प्रयोग से संकोच करते हैं तो अनजाने में अपनी पहचान को भी कमजोर करते हैं।

हिन्दी का अधिकाधिक उपयोग न केवल भाषा को समृद्ध बनाता है बल्कि समाज में सहजता, समानता और भावनात्मक जुड़ाव को भी मजबूत करता है। लोगों को यह समझाया जाना चाहिए कि हिन्दी हमारी राजभाषा है और उसका सम्मान व प्रचार-प्रसार करना केवल सरकारी दायित्व नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्त्तव्य है। जब तक हम स्वयं अपने दैनिक जीवन, शिक्षा, प्रशासन, तकनीक और डिजिटल मंचों पर हिन्दी को अपनाने का साहस नहीं करेंगे, तब तक इसके विकास की अपेक्षा अधूरी ही रहेगी। साथ ही यह अहसास कराना भी जरूरी है कि भले ही वैश्विक स्तर पर अंग्रेजी का प्रभाव लंबे समय से बना हुआ है परन्तु हिन्दी आज किसी भी दृष्टि से पीछे नहीं है। इंटरनेट, तकनीक, शिक्षा, व्यापार और अंतर्राष्ट्रीय संवाद के क्षेत्र में हिन्दी की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ रही है। आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम भाषायी हीनभावना से बाहर निकलकर हिन्दी को गर्व के साथ अपनाएं और उसे विश्व मंच पर उसका उचित स्थान दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

हिन्दी का अधिकाधिक उपयोग न केवल भाषा को समृद्ध बनाता है बल्कि समाज में सहजता, समानता और भावनात्मक जुड़ाव को भी मजबूत करता है। लोगों को यह समझाया जाना चाहिए कि हिन्दी हमारी राजभाषा है और उसका सम्मान व प्रचार-प्रसार करना केवल सरकारी दायित्व नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्त्तव्य है। जब तक हम स्वयं अपने दैनिक जीवन, शिक्षा, प्रशासन, तकनीक और डिजिटल मंचों पर हिन्दी को अपनाने का साहस नहीं करेंगे, तब तक इसके विकास की अपेक्षा अधूरी ही रहेगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

विरोध

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस चीफ ममता बनर्जी, देव और जून मलैया और अन्य पार्टी नेताओं के साथ कोलकाता में पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म से जुड़ी एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट की सर्च के खिलाफ एक प्रोटेस्ट मार्च का नेतृत्व करती हुई।

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार यूनुस ने धार्मिक चरमपंथियों के साथ साठगांठ कर ली है : तस्लीमा

तिरुवनंतपुरम/भाषा। बांग्लादेशी-स्वीडिश लेखिका तस्लीमा नसरीन ने शुक्रवार को बांग्लादेश सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उसके मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने देश में ''धार्मिक चरमपंथियों और विभाजनकारी शक्तियों'' के साथ साठगांठ कर ली है।

केरल विधानसभा अंतरराष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव (केएलआईबीएफ) के चौथे संस्करण में 'शांति के लिए पुस्तक' विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए तस्लीमा ने आरोप लगाया कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता यूनुस ''ऐसे एजेंडे को बढ़ावा दे रहे हैं जो धर्मनिरपेक्षता और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए खतरा है।'' उन्होंने कहा कि नोबेल शांति पुरस्कार शांति को परिभाषित नहीं करता, बल्कि सत्ता करती है और सत्ता को सच्चाई की परवाह बहुत कम होती है।

तस्लीमा ने कहा कि अमेरिका के 56वें विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर को शांति का नोबेल पुरस्कार मिला, लेकिन ''उनकी नीतियों ने देशों को जलते हुए छोड़ दिया और उनकी रणनीतियों ने गांवों को तबाह कर दिया।'' चर्चित उपन्यास 'लज्जा'की लेखिका ने दावा किया कि इसी तरह नोबेल शांति पुरस्कार विजेता और म्यांमा की पूर्व विदेश मंत्री आंग सान सू ची रोहिंग्या के साथ तब खड़ी नहीं हुईं जब उन्हें देश से निकाला जा रहा था। उन्होंने कहा, ''उन्होंने मानवता के बजाय सत्ता को चुना।''

तस्लीमा ने अपने वतन बांग्लादेश के बारे में कहा कि जब ''कुछ धार्मिक कट्टरपंथियों और चरमपंथियों'' ने उनकी किताबों की वजह से उन्हें जान से मारने की धमकी दी और उनके खिलाफ फतवे (धार्मिक फरमान) जारी किए, तब तत्कालीन बांग्लादेश सरकार ने ऐसे तत्वों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की और इसके बजाय उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। उन्होंने कहा, ''अगर सरकार ने उस समय कट्टरपंथियों और जिहादियों के खिलाफ कार्रवाई की होती, तो आज इस देश (बांग्लादेश) की हालत इतनी खराब नहीं होती। सरकार ने अपने राजनीतिक हितों के लिए और सत्ता में यथासंभव लंबे समय तक बने रहने के लिए धर्म का इस्तेमाल किया।'' तस्लीमा ने बांग्लादेश सरकार पर धर्मनिरपेक्ष शिक्षण संस्थानों और विज्ञान अकादमियों की स्थापना के बजाय कट्टरपंथियों का समर्थन हासिल करने और ''लंबे समय तक सत्ता में बने रहने'' के लिए धार्मिक शैक्षणिक संस्थानों का निर्माण करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने बांग्लादेश में मौजूदा संकट के लिए अंतरिम सरकार को दोषी ठहराते हुए कहा, ''कट्टरपंथी एक तरह से सत्ता में हैं और डॉ. यूनुस उनका समर्थन कर रहे हैं। इसलिए, मुझे नहीं पता कि हम उस धर्मनिरपेक्ष देश को कैसे वापस पा सकेंगे जिसके लिए इसने 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी।'' तस्लीमा ने कहा, ''अब देश विभाजित है और मुस्लिम चरमपंथी धार्मिक अल्पसंख्यक समुदायों की हत्या और उत्पीड़न कर रहे हैं जिसे रोकना होगा।''

चर्चित लेखिका ने महोत्सव से इतर संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि बांग्लादेश के पूर्व शासनाध्यक्षों हुसैन मोहम्मद इरशाद, खालिदा जिया और शेख हसीना ने देश में धार्मिक चरमपंथ के उन्नयन को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, ''यह उनकी गलती है। उन्होंने बेवजह मस्जिदें और मदरसे बनवाए। ये जिहादियों की फैक्टियां हैं। अगर ये बढ़ते हैं, तो वे महिलाओं और अल्पसंख्यकों पर हमला करते हैं। और यही अभी हो रहा है।''

तस्लीमा ने दावा किया कि बांग्लादेश में हिंदुओं के लिए स्थिति ''बहुत खराब'' है। उन्होंने यूनुस पर हत्यारों, कट्टरपंथियों और जिहादियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। लेखिका ने उम्मीद जताई कि देश में अगला चुनाव ''सच्चा'' होगा और हालात तभी बदलेंगे जब कोई धर्मनिरपेक्षता समर्थक पार्टी सत्ता में आएगी।हालांकि, उन्होंने इस बात पर चिंता जताई की कि बांग्लादेश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी, अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, जबकि जमात-ए-इस्लामी मजबूत होती जा रही है।

अश्लील डीपफेक तस्वीरों को लेकर वैश्विक आलोचना के बाद मस्क का ग्रोक चैटबॉट हरकत में आया

लंदन, नौ जनवरी/एपी। एलन मस्क का एआई चैटबॉट 'ग्रोक' लोगों की अश्लील डीपफेक तस्वीरें जारी करने के बाद हुए वैश्विक विरोध के कारण अपने ज्यादातर उपयोगकर्ताओं को किसी भी प्रकार की तस्वीर बनाने या संपादित करने से रोक रहा है।

मस्क के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के माध्यम से उपयोग किए जाने वाले चैटबॉट ने पिछले कुछ हफ्तों में उन उपयोगकर्ताओं के अनुरोधों को स्वीकार किया है जिन्हें शोधकर्ता दुर्भावनापूर्ण मानते हैं। इनमें तस्वीरों को संपादित करना शामिल है, जैसे कि महिलाओं को बिकनी में या यौन संकेत देने वाली स्थितियों में दिखाना।

शोधकर्ताओं ने आगाह किया है कि कुछ मामलों में, कुछ तस्वीरों में बच्चों को दर्शाया गया प्रतीत होता है। दुनिया भर की सरकारों ने इस प्लेटफॉर्म की निंदा की है और जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार को, 'ग्रोक' तस्वीर में बदलाव करने के अनुरोधों का जवाब देते हुए यह संदेश जारी कर रहा: तस्वीर निर्माण और संपादन की सुविधा फिलहाल केवल शुल्क अदा करने वाले ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। इन सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए आप सदस्यता ले सकते हैं।'' हालांकि, 'ग्रोक' के ग्राहकों की संख्या सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है, लेकिन कुछ दिनों पहले की तुलना में 'ग्रोक' द्वारा निर्मित डीपफेक तस्वीरों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है।

यूरोपीय संघ ने 'ग्रोक' के ''अवैध'' और ''स्तब्ध करने वाले'' व्यवहार की कड़ी निंदा की है, जबकि फ्रांस, भारत, मलेशिया के अधिकारियों और ब्राजील के एक सांसद ने जांच की मांग की है।

बृहस्पतिवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने 'एक्स' के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दी। उन्होंने 'ग्रेटेस्ट हिट्स रेडियो' पर कहा, ''यह शर्मनाक है। यह घिनौना है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।'' उन्होंने कहा कि 'एक्स' को इस पर नकेल कसनी होगी। स्टार्मर ने कहा कि मीडिया नियामक ऑफकॉम को ''कार्रवाई करने के लिए हमारा पूरा समर्थन है'' और ''सभी विकल्प'' खुले हैं।

इस सप्ताह ऑफकॉम और ब्रिटेन के गोपनीयता नियामक, दोनों ने कहा कि उन्होंने ब्रिटिश नियमों का अनुपालन करने के लिए उठाए गए उपायों के बारे में जानकारी के लिए 'एक्स' और मस्क की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कंपनी एक्सएआई से संपर्क किया है।

नई दिल्ली में शुक्रवार को दिल्ली पुलिस के जवान कर्तव्य पथ पर रिपब्लिक डे परेड की रिहर्सल के बीच ब्रेक के दौरान हल्के-फुल्के पल बिताते हुए।

फिजिकल के साथ मेंटल हेल्थ भी जरूरी : अदा शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अदा शर्मा हेल्थ को लेकर जागरूक रहती हैं और उनका मानना है कि फिजिकल के साथ ही मेंटल हेल्थ पर भी ध्यान देना जरूरी है। आमतौर पर इसे नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिसके परिणाम बेहद खराब होते हैं। अदा का मानना है कि दिमाग को भी वर्कआउट की जरूरत पड़ती है। कुछ वर्कआउट को वह खुद पर भी लागू करती हैं। मेंटल हेल्थ आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। तनाव, चिंता और डिप्रेशन जैसी समस्याएं आम हो गई हैं। विशेषज्ञ भी कहते हैं कि दिमाग को स्वस्थ रखने के लिए ध्यान, योग, पजल्स और ब्रेन एक्सरसाइज बहुत फायदेमंद हैं। अदा शर्मा ने न्यूज एजेंसी से खास बातचीत में मेंटल हेल्थ के महत्व पर खुलकर चर्चा की। आज के व्यस्त जीवन में जहां लोग जिम जाकर शरीर को फिट रखने पर जोर देते हैं, वहीं अदा ने जोर दिया कि दिमाग की सेहत को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अच्छी सेहत के लिए सिर्फ फिजिकल हेल्थ ही नहीं, बल्कि मेंटल हेल्थ भी

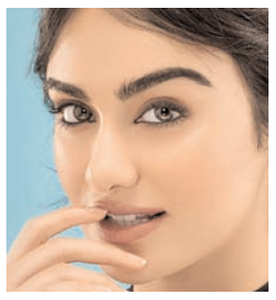

उतनी ही जरूरी है।

अदा शर्मा ने बताया, निश्चित रूप से हेल्थ एक बहुत महत्वपूर्ण चीज है। अगर हेल्थ अच्छी नहीं है तो आप काम ही नहीं कर पाएंगे। लेकिन यह समझना जरूरी है कि सिर्फ फिजिकल हेल्थ ही जरूरी नहीं है। फिजिकल हेल्थ अच्छी रखने के लिए आपकी मेंटल हेल्थ मजबूत होना भी बहुत आवश्यक है। हालांकि, आमतौर पर लोग केवल फिजिकल हेल्थ पर फोकस करते हैं। मुझे लगता है कि जितना आप फिजिकल हेल्थ पर ध्यान देते हैं, उतना ही आपको मेंटल हेल्थ पर भी ध्यान देना चाहिए। दिमाग को वर्कआउट की जरूरत पड़ती है।उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर किए हेल्थ पोस्ट का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने वहां कई ब्रेन टीजर्स पोस्ट किए हैं, जो दिमाग के लिए चुनौतीपूर्ण और फायदेमंद हैं। अदा ने एक हाथ से धीरे-धीरे और दूसरे हाथ से तेजी से थपथपाने वाले वीडियो का उदाहरण दिया। इसी तरह, एक हाथ से गोल घुमाना और दूसरे हाथ से चौकोर आकार बनाना। ये व्यायाम ब्रेन के लेफ्ट और राइट दोनों हिस्सों को सक्रिय करते हैं।

अभिनेत्री का मानना है कि दिमाग को मजबूत रखना जीवन की सफलता के लिए जरूरी है। सभी को सलाह है कि ब्रेन को नियमित रूप से चुनौती दें, ताकि वह मजबूत बना रहे। कुछ आसान व्यायाम घर पर ही किए जा सकते हैं और इनका कोई खर्च नहीं है।'द केरल स्टोरी' फेम अदा ने इसे सरल भाषा में समझाते हुए कहा, शरीर में बाइसेप्स, ट्राइसेप्स, हैमस्ट्रिंग जैसी मसल्स होती हैं। आप हर मांसपेशी पर काम करते हैं। अगर आप सिर्फ बाइसेप्स बनाएंगे और हैमस्ट्रिंग कमजोर रहेगी, तो हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई तो बाइसेप्स की ताकत का कोई फायदा नहीं होगा। इसी तरह, आपको अपने ब्रेन पर भी काम करना चाहिए।

शिकायत

असम में विपक्षी पार्टियों के एक डेलीगेशन के सदस्यों ने भाजपा के खिलाफ दिसपुर पुलिस स्टेशन में पुलिस कंप्लेंट दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि वह विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट से नाम हटाने की साज़िश कर रही है।

'अकेली' में नुसरत भरूचा की शानदार पर्फोर्मंस के लिए फराह खान ने की तारीफ

मुंबई/एजेन्सी

हाल ही में 'द फराह खान शो' में नज़र आईं नुसरत भरूचा ने न सिर्फ अपने फिल्मी सफ़र पर खुलकर बात की, बल्कि अपने कुकिंग स्किल्स से भी सबका दिल जीत लिया। इस एपिसोड में नुसरत ने फराह खान के लिए खास होम-स्टाइल डिश 'मटन उप्पु करी' तैयार की। कुकिंग सेशन के दौरान माहौल काफी मस्ती भरा और घरेलू रहा। इस मौके पर नुसरत सफेद टी-शर्ट और डेनिम में कैज़ुअल लेकिन स्टाइलिश अंदाज़ में दिखीं। बातचीत के दौरान फराह खान ने नुसरत की मां को भी चर्चा में शामिल किया और उनसे पूछा कि उन्हें अपनी बेटी की कौन-सी फिल्म सबसे ज्यादा पसंद है। बिना सोचे-समझे नुसरत की मां ने 'सोनू के टीटू की स्वीटी' और 'अकेली' का नाम लिया।

इस पर फराह खान ने तुरंत हामी भरते हुए 'अकेली' में नुसरत की परफॉर्मेंस की जमकर तारीफ की और फिल्म की भावनात्मक गहराई को सराहा। नुसरत की तारीफ करते हुए फराह खान ने कहा, 'अकेली' में तुमने वाकई शानदार काम किया। पूरी फिल्म में तुम अकेली लड़की थीं, फिल्म इतनी इंटेंस थी कि मेरा ब्लड प्रेशर बढ़ गया। इसे सुनकर जहां सभी हंसने लगे, वहीं फराह ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए नुसरत की दमदार सोलो परफॉर्मेंस के प्रभाव को भी काफी सराहा।

गौरतलब है कि फिल्म 'अकेली' , नुसरत भरूचा के करियर का एक अहम पड़ाव साबित रही है, जिसमें उन्होंने लगभग पूरी कहानी अपने कंधों पर उठाई थी। एक खतरनाक माहौल में फंसी महिला के किरदार को उन्होंने जिस भावनात्मक गहराई, मजबूती और वास्तविकता के साथ निभाया, उसे आलोचकों और दर्शकों दोनों से सराहना मिली थी।

वर्क फ्रंट की बात करें तो नुसरत भरूचा ने अलग-अलग जॉनर में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। 'प्यार का पंचनामा' और 'प्यार का पंचनामा 2' से लोकप्रियता हासिल करने के बाद उन्होंने 'सोनू के टीटू की स्वीटी' और 'ड्रीम गर्ल' जैसी हिट फिल्मों से सफलता का सिलसिला आगे बढ़ाया। हाल के वर्षों में 'छोरी' और 'छोरी 2' जैसी कंटेंट आधारित फिल्मों में उनके गंभीर और सशक्त अभिनय ने दर्शकों को खासा प्रभावित किया, खासतौर पर हॉरर जॉनर में उनकी परफॉर्मेंस को खूब सराहा गया।

नियुक्ति पत्र

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा गुवाहाटी में एक कार्यक्रम के दौरान असम डायरेक्ट रिक्रूटमेंट एग्जामिनेशन ग्रेड खत के उम्मीदवार को अपॉइंटमेंट लेटर देते हुए।

भारतीय परिवार के इमोशंस को दिखाता है 'महादेव एंड संस' : मानसी सल्वी

मुंबई/एजेन्सी

कलर्स टीवी पर नया शो महादेव एंड संस दस्तक दे चुका है। शो में पारिवारिक कहानी और मां-पिता और बच्चों के बीच के गहरे रिश्ते को बारीकी से दिखाया गया है। अब शो की पूरी स्टारकास्ट ने अपने किरदार और शो के बारे में खुलकर बात की है। शो में शक्ति आनंद, स्नेहा वाघ और मानसी सल्वी को लीड रोल में देखा गया है। शो में स्नेहा वाघ विद्या नाम की महिला का रोल प्ले कर रही हैं, जो महादेव यानी शक्ति आनंद की पत्नी है। स्नेहा वाघ ने कहा कि इस सीरियल में सभी किरदार खास हैं और सबकी अपनी कहानी है। उन्होंने कहा कि विद्या का किरदार एक ऐसी मां, पत्नी, बेटी और बहन है जो सारे रिश्तों में सुलझी है और सभी को प्यार देना चाहती है। उसके लिए सबका प्यार मुसीबत बन जाता है क्योंकि सीरियल में सभी लोग एक दूसरे से बहुत ज्यादा प्यार करते हैं और यही प्यार सबको परेशानी भी देगा। शक्ति आनंद ने शो के बारे में बात करते हुए बताया कि सीरियल बाकी सीरियल से अलग है क्योंकि इसमें पिता और बेटे के गहरे रिश्ते पर फोकस किया है। पिता और बेटे का रिश्ता थोड़ा कटा-कटा होता है, जहां दोनों ही एक-दूसरे की भावनाओं को शेयर नहीं कर पाते, लेकिन महादेव कहानी में अपने पांचों बच्चों को बहुत सारा प्यार करता है और उन पर किसी तरह की पाबंदी नहीं लगाता है। ये सीरियल बच्चों की परवरिश से भी जुड़ा है।

मानसी सल्वी ने शो के बारे में बात करते हुए कहा कि हर भारतीय परिवार इमोशंस से जुड़ा है और ये सीरियल भी इसी से जुड़ी है, जिसमें प्यार और इमोशन कूट-कूट भरे हैं। अपने किरदार पर बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि वो किरदार का चुनाव नरेशन के जरिए करती हैं। अगर किरदार में वे खुद को देख पाती हैं, तभी किरदार को करने के लिए हामी भरती हैं और ऐसा ही उन्होंने इस सीरियल के किरदार के साथ जुड़ाव महसूस किया है।

फराह खान : कॉलेज के दिनों में बनीं 'माइकल जैक्सन की फीमेल वर्जन'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में कई कलाकार अपनी खास पहचान बनाते हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो अपने टैलेंट, मेहनत और अलग अंदाज से दर्शकों के दिलों पर एक खास छाप छोड़ देते हैं। फराह खान उन्हीं में से एक हैं। वह सिर्फ एक कोरियोग्राफर या फिल्म डायरेक्टर नहीं हैं, बल्कि एक ऐसी शख्सियत हैं जो जहां जाती हैं, माहौल में हंसी, मस्ती और पॉजिटिव एनर्जी भर देती हैं। उनके जीवन में कई दिलचस्प बातें हैं, लेकिन सबसे मजेदार यह है कि कॉलेज के दिनों में लोग उन्हें माइकल जैक्सन जैसी डांसर कहते थे। यह बात शुरुआत में सिर्फ एक मजाक की तरह लगती थी, लेकिन बाद में इसी हुनर ने उन्हें बॉलीवुड तक पहुंचा दिया। फराह खान का जन्म 9 जनवरी 1965 को मुंबई में हुआ था। उन्होंने अपने जीवन में आर्थिक तंगी का सामना किया। इस दौरान उन्हें अपना घर तक बेचना पड़ा। इन हालातों ने फराह को बचपन से ही मजबूत बना दिया। उन्हें जल्दी समझ आ गया कि अगर जीवन में आगे बढ़ना है तो मेहनत ही रास्ता है। शायद यही वजह है कि बाद में उन्होंने हर चुनौती को हिम्मत से अपनाया।

फराह की जिंदगी डांस से बहुत जल्द जुड़ गई थी। लेकिन, दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने कभी किसी डांस क्लास को ज्वॉइन नहीं किया। उनके असली गुरु माइकल जैक्सन थे, जिनके स्टेप्स वीडियो में देखकर वह प्रैक्टिस किया करती थीं और कॉलेज फंक्शन में परफॉर्म करती थीं। उनकी परफॉर्मेंस को देख लोग उन्हें 'माइकल जैक्सन की फीमेल डांसर' कहकर बुलाते। उनके स्टेप्स, बॉडी लैंग्वेज, अंदाज सब कुछ इतना मिलता-जुलता था कि कई कॉलेजों में वह 'माइकल जैक्सन फीमेल डांसर' के नाम से मशहूर हो गई थी। यह उनकी जिंदगी का पहला मोड़ था, जब लोगों ने उनके भीतर एक असली डांसर को देखा।

फराह को पहली बार फिल्मों में कोरियोग्राफी का जब मौका मिला, तो उन्होंने एक-एक कर ऐसे गानों पर काम किया जो आज भी लोगों की जुबान पर हैं। उन्होंने 80 से ज्यादा फिल्मों में 1,000 से भी ज्यादा गानों की कोरियोग्राफी की। उनके गानों में साफ दिखता है कि वह डांस को सिर्फ स्टेप्स नहीं मानतीं, बल्कि कहानी का हिस्सा मानती हैं। उनकी पूरी कोशिश होती है कि पूरा गाना फुल फ्रेम में दिखे, कट्स और एडिटिंग में खो न जाए, यह अंदाज उन्हें दूसरों से अलग बनाता है।

साध्वी डॉ. ज्योत्सना का देवलोकगमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्य आनंदऋषिजी की शिष्या साध्वी डॉ. ज्योत्सना जी का 9 जनवरी को महाराष्ट्र में अहिल्यानगर (पूर्व नाम अहमदनगर) में संथारे के साथ देवलोकगमन हो गया। 62 वर्षीय साध्वी चेन्नई में तांबरम निवासी स्व. कमलाबाई जुम्बरलाल सिंघवी की पुत्री थीं। उन्होंने तमिलनाडु में चेन्नई एवं चेन्नई के अनेक उपनगरों तथा कंचीपुरम, कोयंबटूर आदि स्थानों पर चातुर्मास किए थे। पुरसवाक्कम स्थित एएमकेएम स्थानक में पहला चौमासा साध्वी पुष्पकुंवरजी के साथ उनका ही हुआ था। जून 1980 में आचार्य आनंदऋषि से दीक्षा लेकर डॉ. ज्योत्सना ने साध्वी रतनकुंवरजी और कुशलकुंवरजी को अपनी गुरुणी बना लिया।

साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने बताया कि साध्वी ज्योत्सना ने स्वर्ण पदक के साथ दर्शनशास्त्र में एमए किया। उन्होंने डॉ. सागरमल जैन के मार्गदर्शन में रत्नाकरावतारिका में जैन दर्शन और बौद्ध दर्शन का समीक्षात्मक अध्ययन विषय पर पीएचडी की। 2010 में 'बौद्ध दर्शन का समीक्षात्मक अध्ययन' शीर्षक से उनका 400 पृष्ठ का शोध ग्रंथ प्रकाशित हुआ, जिसकी विद्वत जगत में बहुत सराहना हुई। विद्वानों के प्रति उनके मन में बहुत सम्मान था। कुशल प्रवचनकार साध्वी को अनेक आगम और थोकड़े कंठस्थ थे। हिंदी, तमिल, प्राकृत, संस्कृत, राजस्थानी, मराठी आदि भाषाओं की जानकार डॉ. ज्योत्सना ने जैन कथा साहित्य के आधार पर अनेक संवाद लिखे और उनका प्रभावी मंचन करवाया। दक्षिण भारत में जैन संतों का विहार सुगम हो सके, इसके लिए उन्होंने लेखन किया था। शुक्रवार अपराह्न में अहिल्यानगर में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

संयम भाव में विचरण करने पर इंसान मर्यादा में रहता है: साध्वीश्री भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर पाइपलाइन में विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि जीवन में कैसी भी परिस्थिति आए, अपने कुल व धर्म की गरिमा व मर्यादा को कभी नहीं भूलना चाहिए। संयम भाव में विचरण करने पर इंसान मर्यादा में रहता है। संस्कारों से ही मनुष्य की पहचान होती है। देश व काल की दृष्टि से हितकारी होने पर कुल व धर्म की परम्परा व मर्यादा का कभी त्याग नहीं करें्। वर्तमान में लोग भौतिक सुख पाने की होड़ में अपने कुल व धर्म की मर्यादा को भूलते जा रहे हैं्। उन्होंने कहा कि जिसे सुसंस्कार प्राप्त होते हैं वह दुनिया में कही भी चले जाए अपने संस्कार नहीं छोड़ता है। मनुष्य भव की प्राप्ति दुर्लभ होती है। मनुष्य भव पाने के बाद भी पुण्यार्जन व कर्मनिर्जरा नहीं कर सके तो फिर ऐसा अवसर नहीं मिलेगा और हमारे पास पछताने के सिवा कुछ नहीं होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में वीर प्रभु का शासन चल रहा है उसमें हम अपने जीवन को पावन निर्मल व सार्थक बना सकते है। ऐसा अवसर फिर नहीं आएंगा। ये अवसर भी चूक गए हम इस संसार सागर में भटकते ही रह जाएंगे। धर्म, ध्यान व तप साधना कर कर्मो की निर्जरा कर जीवन का अंतिम लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास करे। जीवन में धर्मयुक्त कर्म ही काम आता है। कर्म के लिए धर्म की आवश्यकता जरूर पड़ती है। कर्म तो व्यक्ति करता है लेकिन भाग्य तभी साथ देता है जब उसमें धर्म होता है, इसलिए कर्म करते समय उसमें धर्म का समावेश अवश्य करे। ङ्कसाध्वी शीतलगुणाजी ने कहा कि मोह रहता है तो इंसान धर्म के मार्ग पर नहीं चल पाता है। धर्म की राह पर चलने के लिए मैं ओर मेरे की भावना का त्याग करना ही होगा। मनुष्य अनादि काल से वर्तमान का दुरुपयोग करता आया है, जिसके मुख्य कारण है भूतकाल की स्मृति, भविष्य की चिंता एवं वर्तमान के संयोग-वियोग की चिंता। इन तीनों कारणों से व्यर्थ में कर्म बंधन होता है। जीवन में जो कुछ भी करें, उसे बस होशपूर्वक करें, अर्थात् केवल वर्तमान में जीएँ, क्योंकि अतीत बीत गया और भविष्य अजन्मा है। मनुष्य की पकड़ केवल वर्तमान पर होती है। वर्तमान को जो सफल कर लेता है, वह वीर कहलाता है। विहार सेवा का लाभ देवेंद्र तातेड़, वंशराज बोहरा, निर्मल डांगी, अनिल डांगी आदि श्रद्धालुओं ने लिया।

होसपेट के हनुमान मित्र मण्डल की नई कार्यकारिणी समिति का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसपेट्। स्थानीय हनुमान मित्र मण्डल की साधारण सभा गुरुवार को एक होटल में शीतलप्रसाद पुजारी, शेरसिंह परमार एवं परमानन्द जियानी की उपस्थिति में हुई। हनुमान चालीसा पाठ के शुरू इस बैठक में उपस्थित सदस्यों की मांग पर मण्डल के नए अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी पदों के लिए विधिवत चुनाव कराने का निर्णय लिया गया। निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने के कमल कुमार जैन को पुनः अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। रजनीकांत इंदोरिया व बिनोद विजयवर्गीय को उपाध्यक्ष, राजेश करवा को सचिव, धनंजय राय को संयुक्त सचिव, नाथमल गौड़ को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा वेंकटेश तिवारी को सांस्कृतिक सचिव, सौरभ जैन व ऋषिकांत इंदोरिया को क्रीड़ा सचिव, ङ्कतथा कार्यकारिणी समिति के लिए 18 सदस्यों का चयन किया गया। ज्ञातव्य है कि हनुमान मित्र मण्डल विगत 19 वर्षों से निरंतर प्रत्येक शनिवार को होसपेट के किष्किधा क्षेत्र में सुंदरकांड पाठ का आयोजन करता आ रहा है। यह मंडल मोरारी बापू की अनेक रामकथा, रमेश भाई ओझा के धार्मिक प्रवचन जैसे अनेक धार्मिक कार्य आयोजित कर चुका है। आगामी दिनों में धीरेंद्र शास्त्री (बाबा बागेश्वर) की दिव्य कथा के आयोजन की भी तैयारियां चल रही हैं।

मारवाड़ काँठा समाज की खांटेड़ किंग्स टीम ने आयोजित किया प्रोत्साहन समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ काँठा समाज द्वारा गत दिनों आयोजित बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट में युवतियों की चार टीमों के मुकाबले में खांटेड किंग्स टीम को विजेता बनने का गौरव प्राप्त हुआ्। विजेता टीम के मालिक मनोजकुमार रेखा खांटेड़ परिवार द्वारा खिलाड़ियों के प्रोत्साहन व उत्साहवर्धन के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी एवं पंजाब किंग्स के कोच अविनाश विद्या ने खिलाड़ियों को खेल की बारीकियों से अवगत कराया तथा अपने अनुभव साझा किए्। इस मौके पर मारवाड़ काँठा समाज के अध्यक्ष गौतमचंद मुथा, संयोजक भूपेंद्र रायसोनी, उपाध्यक्ष मुकेश नाहर एवं राजू धोका विनोद मुथा, दिलीप भंसाली, भरत बोहरा, दीपक सेठिया, विक्रम सेठिया, प्रमोद नाहर, उमेश नाहर, प्रणव धारीवाल, दीक्षित सोलंकी और अनेक युवा व महिला विंग से खिलाड़ी शामिल हुए्। टीम मालिक मनोज खांटेड ने संस्था का आभार व्यक्त करते हुए इस प्रतियोगिता को समाज में खेल एकता एवं युवा समाज हेतु प्रोत्साहन का सशक्त माध्यम बताया।

निष्ठावान कार्यकता व मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे नवरतनमल कटारिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एक जाने माने कार्यकर्ता, सफल इलेक्ट्रिक व्यवसायी, राजाजीनगर स्थित नाकोड़ा पार्श्वनाथ जैन मंदिर के अध्यक्ष व एक अच्छे व्यक्तित्व के धनी नागौर के रूण मूल के निवासी नवरतनमल कटारिया का आकस्मिक निधन गुरुवार को बेंगलूरु में हो गया। ङ्कअपने नाम के अनुरूप नवरतनमल कटारिया वास्तव में जैन समाज के एक रत्न थे, वे अपने काम के धुन के पक्के थे। वे जिस काम को अपने हाथ में लेते थे उसे सफलतापूर्वक पूर्ण करके ही दम लेते थे।

स्व. कटारिया बेहद सरल स्वभावी, स्पष्टवक्ता, दोस्तों के दोस्त, निष्ठावान कार्यकर्ता, अनुशासन प्रिय व मिलनसार व्यक्तित्व के धनी थे। स्व. कटारिया राजाजीनगर के नाकोड़ा मंदिर की स्थापना से लेकर अपने जीवन पर्यन्त मंदिर की सेवा करते रहे। नागौर जिला परिषद संस्था के संस्थापकों में से एक नवरतनजी एक कुशल प्रबंधक थे। नागौर संस्था के तत्वावधान में वे अनेक तीर्थ यात्रा संघ के आयोजक रहे तथा उन्होंने विभिन्न तीर्थ संघों व कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया। उनकी कार्यशैली व मिलनसारिता को देखते हुए वर्ष 2003 में संतश्री नित्यानंदजी महाराज द्वारा उन्हें 'जगत मामा' के नाम से एक नई पहचान दी गई्। वे बेंगलूरु के मंदिरमार्गी सहित अन्य सम्प्रदायों में भी बहुत लोकप्रिय थे। स्व. कटारिया अपने दोस्तों के बीच 'मामा'के नाम से ही जाने जाते थे और किसी भी सामाजिक, धार्मिक व पारिवारिक कार्यक्रम के संयोजन व प्लानिंग में सबसे आगे रहते थे। 72 वर्षीय नवरतनमल कटारिया अपने पीछे धर्मपत्नी उर्मिला, एक पुत्र तरुण व पुत्री विदिता सहित पोते पोतियों से भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं्। शुक्रवार को आयोजित उठावने में उपस्थिति जनों की उपस्थिति को देखकर उनकी लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है। उठावना बैठक में अनेक सभा संस्थाओं के पदाधिकारियों ने उन्हें नम आंखों से श्रद्धासुमन अर्पित किए्।

'टेक्सचर सोयरी' कार्यशाला में जीतो सदस्याओं ने दिखाई अपनी रचनात्मक प्रतिभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो साउथ लेडीज़ विंग द्वारा कला एवं संस्कृति के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय टेक्सचर आर्ट वर्कशॉप 'टेक्सचर सोयरी' का समापन हुआ्। इस कार्यशाला में कुल 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षक इंदु दांतेवाड़िया ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया तथा प्रतिभागियों को टेक्सचर आर्ट की विभिन्न तकनीकों को सिखाया और वर्षों से भीतर छिपी उनकी रचनात्मकता को नए सिरे से पहचानने का अवसर दिया। प्रशिक्षक इंदु दांतेवाड़िया ने किया। उन्होंने टेक्सचर आर्ट से जुड़ी बारीकियों, तकनीकों एवं व्यावहारिक ज्ञान को अत्यंत सरल एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इस कार्यशाला की सफलता में संयोजिका रेखा जैन एवं साक्षी नाहर की भूमिका सराहनीय रही। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने अपनी शुभकामनाएँ दी।

जीतो नॉर्थ द्वारा आगामी 'प्रॉप डेको-2026' की तैयारियों की समीक्षा की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो बेंगलूरु नार्थ नॉर्थ द्वारा वर्ष 2026 में आयोजित किए जाने वाले 'प्रॉप डेको 2026, जेबीएन 360-ओ व शेडो ऑफ दि सीईओ' कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। यह तीन दिवसीय 'प्रॉप डेको 2026' का आयोजन आगामी 13 फरवरी से त्रिपुरावासिनी पैलेस ग्राउंड्स सभागार में किया जा रहा है जिसमें रियल एस्टेट, होम डेकोर, मार्बल एवं स्टोन सेक्टर से जुड़े देशभर के प्रमुख व्यवसायियों की भागीदारी होगी। कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर अनेक सुझाव दिए गए। ङ्कबैठक के शुभारंभ में जीतो नार्थ के अध्यक्ष विमल कटारिया के सभी का स्वागत करते हुए 'प्रॉप डेको' के बारे में विस्तार से जानकारी दी। महामंत्री विजय सिंघवी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। संयोजक एवं उपाध्यक्ष दिनेश बाफना ने तैयारियों, कार्ययोजना एवं आगामी रणनीतियों की विस्तृत जानकारी साझा की। मंत्री एवं सहसंयोजक प्रतीश जैन व सतीश पोरवाड़ ने विपणन (मार्केटिंग) की रूपरेखा प्रस्तुत की। मंत्री एवं जेबीएन संयोजक मदन जैन ने जेबीए 360ओ कार्यक्रम की जानकारी व जीतो यूथ के अध्यक्ष अनिश भोजानी एवं मंत्री आशीष टपरावत ने शेडो ऑफ दि सीईओ कार्यक्रम की अवधारणा व उद्देश्य समझाए। बैठक में केकेजी ज़ोन के अध्यक्ष प्रवीण बाफना, महामंत्री दिलीप जैन, कमल पुनमिया, किशोर करणावत, दिनेश लोढ़ा, प्रमित बाफना सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

अहिंसा क्रांति सम्मान समारोह कल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीव दया फाउंडेशन, अहिंसा क्रांति एवं जिन शासन ट्रस्ट की ओर से रविवार को स्थानीय टाऊन हॉल में प्रात: 10 बजे धार्मिक, सामाजिक कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम संयोजक आशीष बाफना ने बताया कि बेंगलूरु और मैसूरु के करीब सौ लोगों को इस अवसर पर अवार्ड प्रदान किए जाएंगे। अवार्ड सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सांसद तेजस्वी सूर्या, टीवी कलाकार शरद सांखला, श्रीधर डॉ अज्ञानप्पा, अभिनेत्री रूपाश्री उपस्थित होंगे। मुकेश नाहर, अभिषेक जैन, कमल बैद, सुरेन्द्र मुणोत, गौतमचंद धारीवाल, केतन संघवी, सतीश लुणावत आदि इस कार्यक्रम की तैयारियों में लगे हुए हैं्।

शिवकुमार ने भाजपा को मनरेगा और 'विकसित भारत-जी राम जी' पर खुली बहस की चुनौती दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को भाजपा नेताओं को केंद्र सरकार की 'विकसित भारत-जी-राम जी' ग्रामीण रोजगार योजना और मनरेगा की विशेषताओं पर खुली बहस की चुनौती दी। यह चुनौती मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की उस घोषणा के बाद दी गई, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को फिर से लागू करने के लिए दबाव बनाने के वास्ते विधानसभा का दो दिन का सत्र बुलाने की बात कही थी। मनरेगा 2005 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली तत्कालीन संप्रग सरकार द्वारा लाया गया था।

शिवकुमार ने यहां पत्रकारों से कहा कि राज्य सरकार पहले ही घोषणा कर चुकी है कि वह ''मनरेगा को निरस्त करने'' संबंधी केंद्र के निर्णय पर विस्तार से चर्चा के लिए विधानसभा का दो दिवसीय सत्र आयोजित करेगी। शिवकुमार ने 'विकसित भारत-जी राम जी' के बारे में लोगों को जानकारी देने से जुड़े भाजपा के अभियान की ओर इशारा किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''उन्हें अपने कार्यों के बारे में बताने दीजिए और हम समझाएंगे कि इस कार्यक्रम (मनरेगा) से क्या लाभ हुआ है। भाजपा को हमारी और उसकी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनाओं के बीच अंतर पर हमसे बहस करने दीजिए। यह अच्छा है। हमें लोगों को इसके बारे में जागरूक करना होगा।'' उन्होंने कहा, ''उनकी पार्टी के अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष या केंद्रीय मंत्री किसी टेलीविजन चैनल पर बहस के लिए आएं। मैं अपनी योजना और उनकी योजना पर उनसे बहस करने के लिए तैयार हूं।'' मनरेगा में व्यापक भ्रष्टाचार के भाजपा के आरोपों से संबंधित सवाल पर शिवकुमार ने कहा कि अगर कोई घोटाला हुआ है तो केंद्र को सीबीआई जांच का आदेश देना चाहिए।

मलयालम भाषा लागू करने के मुद्दे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलूंगा : शिवराज तंगड़ी

बेंगलूरु। कर्नाटक के कन्नड़ एवं संस्कृति मंत्री शिवराज तंगड़ी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल केरल के कासरगोड में कन्नड़ भाषी लोगों पर मलयालम भाषा थोपे जाने के खिलाफ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि केरल सरकार के मलयालम भाषा विधेयक के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाली कन्नड़ भाषी आबादी परेशानी का सामना कर रही है।

तंगड़ी ने पत्रकारों से कहा कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 350(ख) के अनुसार भाषाई अल्पसंख्यकों को संरक्षण मिलना चाहिए, केरल-कासरगोड के लिए भाषाई अधिकारी नियुक्त किया जाना चाहिए और वहां रहने वाले लोगों की राय ली जानी चाहिए। मंत्री ने कहा, राज्यपाल के पास मंजूरी के लिए भेजे गए मलयालम भाषा विधेयक ने सीमावर्ती कस्बों में रहने वाले कन्नड़ भाषी लोगों को मुश्किल में डाल दिया है। हम भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे और उन्हें इस घटनाक्रम से अवगत कराएंगे।

मंत्री के अनुसार, केरल के कासरगोड क्षेत्र में लगभग 75 लाख कन्नड़ भाषी लोग रहते हैं और सीमावर्ती क्षेत्रों में लगभग 210 कन्नड़ विद्यालय चालू हैं। उन्होंने कहा, कन्नड़ भाषी लोगों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। हम भी ऐसा नहीं होने देंगे। मैं कासरगोड में एक टीम भेजने पर विचार कर रहा हूं। कर्नाटक सीमा क्षेत्र विकास प्राधिकरण (केबीएडीए) के सचिव प्रकाश मत्तिहल्ली ने केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात की और उन्हें स्थिति से अवगत कराया। तंगदागी ने बताया कि उन्होंने राज्यपाल से विधेयक को मंजूरी न देने का अनुरोध भी किया है। उन्होंने कहा, मैं इस मामले को मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के संज्ञान में भी लाऊंगा और इस संबंध में उठाए जाने वाले कदम के बारे में भी उन्हें सूचित करूंगा।

सीबीआई ने सीपीआरई के अधिकारी को रिश्वत लेते रंगे हाथ किया गिरफ्तार

बेंगलूरु। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 9.5 लाख रुपए की रिश्वत से जुड़े एक मामले में केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई) बेंगलूरु के संयुक्त निदेशक को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी सीबीआई ने शुक्रवार को दी। सीबीआई ने 8 जनवरी को इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी। इसमें सीपीआरआई के वरिष्ठ अधिकारी और कुछ निजी लोगों पर मिलीभगत से भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया गया है। सीबीआई के अनुसार, आरोपी ने एक निजी कंपनी एम/एस सुधीर ग्रुप ऑफ कंपनीज द्वारा बनाए गए बिजली से जुड़े उपकरणों के लिए अनुकूल परीक्षण रिपोर्ट जारी करने के बदले रिश्वत की मांग की थी। मामला दर्ज होने के बाद सीबीआई ने जाल बिछाया और 9 जनवरी को बेंगलुरु में संयुक्त निदेशक को निजी कंपनी के एक अधिकारी के साथ 9.5 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

इसके बाद सरकारी अधिकारी के घर पर की गई तलाशी में बड़ी मात्रा में कथित अवैध संपत्ति बरामद हुई। सीबीआई ने 3.59 करोड़ रुपए नकद जब्त किए। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर, हांगकांग डॉलर, सिंगापुर डॉलर, इंडोनेशियाई रुपिया, मलेशियाई रिंगिट, यूरो, चीनी युआन, स्वीडिश क्रोना और यूएई दिरहम जैसी विदेशी मुद्राएं भी मिलीं, जिनकी कीमत करीब 4.05 लाख रुपए बताई गई है। कैश और विदेशी मुद्रा के अलावा तलाशी के दौरान आभूषण और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज व सामान भी बरामद किए गए हैं। अब तक कुल मिलाकर विदेशी मुद्रा सहित करीब 3.76 करोड़ रुपए की बरामदगी हो चुकी है।

सीबीआई अधिकारियों के अनुसार, तलाशी अभियान अभी जारी है और आगे और भी बरामदगी हो सकती है।

भारत की वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 में भारत की वृद्धि दर के 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक तथा सामाजिक मामलों के विभाग की ओर से 'विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावनाएं 2026' रिपोर्ट बृहस्पतिवार को जारी की गई। इसमें कहा गया है कि भारत '' चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में असाधारण रूप से उच्च वृद्धि'' दर्ज करेगा। मजबूत निजी उपभोग एवं मजबूत सार्वजनिक निवेश से अमेरिकी शुल्क के उच्च प्रभाव की काफी हद तक भरपाई हो जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में आर्थिक वृद्धि दर 2025 में अनुमानित 7.4 प्रतिशत से घटकर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। विभाग ने साथ ही कहा कि भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। इसमें कहा गया है, '' निजी उपभोग में मजबूती, सार्वजनिक निवेश में वृद्धि, हालिया कर सुधार एवं कम ब्याज दरों से निकट भविष्य में वृद्धि को समर्थन मिलने की उम्मीद है। हालांकि, यदि मौजूदा दरें बनी रहती हैं तो अमेरिका द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क 2026 में निर्यात प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं क्योंकि भारत से होने वाले कुल निर्यात में अमेरिकी बाजार की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है।''

संयुक्त राष्ट्र विकास एजेंसी (यूएन डीईएसए) के आर्थिक विश्लेषक तथा नीति प्रभाग की वैश्विक आर्थिक निगरानी इकाई के वरिष्ठ अर्थशास्त्री एवं प्रभारी अधिकारी इंगो पिटर्ले ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दक्षिण एशिया दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र बना रहेगा जिसकी दर 5.6 प्रतिशत रहेगी। इस वृद्धि में सबसे अधिक योगदान '' भारत का रहेगा जहां मजबूत घरेलू मांग, अच्छी फसल से समर्थित मुद्रास्फीति में कमी और निरंतर नीतिगत समर्थन वृद्धि को गति दे रहे हैं।''

यूएन डीईएसए के आर्थिक विश्लेषक एवं नीति प्रभाग के निदेशक शांतनु मुखर्जी ने कहा कि भारत के निर्यात बाजारों का यूरोपीय संघ और पश्चिम एशिया की ओर विविधीकरण हुआ है। मुखर्जी ने भी दोहराया कि भारत में '' वृद्धि के घरेलू कारक असाधारण रूप से मजबूत रहे हैं '' और इस समय भारत से होने वाले सबसे मजबूत निर्यातों में से एक सेवाओं का निर्यात है। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर के 2025 में 2.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है और यह 2026 में थोड़ा घटकर 2.7 प्रतिशत हो सकती है। इसके बाद 2027 में इसके बढ़कर 2.9 प्रतिशत होने का अनुमान है जो वैश्विक महामारी से पहले (2010-2019) के औसत 3.2 प्रतिशत से काफी कम है।

कर्नाटक के कारोबारी को ठाणे के होटलों में बंधक बनाकर रखा, बंदूक दिखाकर दो करोड़ रुपये लूटे

शिवमोग्गा/ठाणे। कर्नाटक के एक व्यवसायी की फर्म में निवेश का वादा करके उन्हें महाराष्ट्र के ठाणे जिले में बुलाने और उन्हें कई होटलों में बंधक बनाकर बंदूक दिखाकर दो करोड़ रुपये से अधिक लूटने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना 15 से 18 दिसंबर, 2025 के बीच हुई थी और मामले के मुख्य आरोपी, ठाणे के मानपाड़ा निवासी अंकित बापू थोम्ब्रे (40) को छह जनवरी को गिरफ्तार किया गया था।

एसीपी (अपराध) मदन बल्लाल ने कहा कि गिरफ्तारी मीरा भयंदर-वसई विरार पुलिस आयुक्तालय की अपराध शाखा इकाई- एक द्वारा की गई थी। उन्होंने कहा, पीड़ित की पहचान शामंतकुमार शादक शारप्पा कार्दर (31) के रूप में हुई है, जो कर्नाटक के शिमोग्गा के एक व्यवसायी हैं। उन्हें 15 दिसंबर, 2025 को एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को अंकित बताया। अंकित ने उनकी कंपनी में निवेश करने में रुचि व्यक्त की। एसीपी बल्लाल ने कहा, उसके प्रस्ताव पर भरोसा करते हुए, शिकायतकर्ता ने ठाणे जिले के काशीमीरा की यात्रा की। हालांकि, आरोपी उन्हें 15 से 18 दिसंबर के बीच तीन अलग-अलग होटलों में ले गया और वहां बंधक बनाकर रखा। शिकायत के आधार पर, काशीमीरा पुलिस ने दो जनवरी को थोम्ब्रे और उसके साथियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की प्रासंगिक धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की, जिसमें हत्या का प्रयास और गलत तरीके से बंधक बनाने के साथ-साथ शस्त्र अधिनियम की धाराएं भी शामिल हैं।

कई दिनों के संघर्ष के बाद सीरिया ने युद्धविराम की घोषणा की

अलेप्पो, नौ जनवरी/एपी। सीरिया के उत्तरी शहर अलेप्पो में सरकारी बलों और कुर्द लड़ाकों के बीच तीन दिनों तक जारी रहे संघर्ष के बाद देश के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को युद्धविराम की घोषणा की।

इस संघर्ष के कारण हजारों लोग विस्थापित हो गए हैं। रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि शेख मकसूद, अशरफीह और बानी जैद इलाकों में तड़के तीन बजे से युद्धविराम प्रभावी हो गया और हथियारबंद समूहों को इलाके को छोड़ने के लिए छह घंटे का समय दिया गया है। बयान में कहा गया है कि देश छोड़ने वाले चरमपंथियों को अपने ''निजी हल्के हथियार'' ले जाने की अनुमति होगी और उन्हें देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से तक सुरक्षा बलों के साए में जाने दिया जाएगा, जो कुर्द नेतृत्व वाली सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एसडीएफ) के नियंत्रण में है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.